दैनिक

दिव्य संवाद

RNI No. MPHIN/25/A4421

वर्ष 01 अंक: 125 | उज्जैन गुरुवार दिनांक 11 जून 2026 ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2083 | पृष्ठ: 8 मूल्य : 02 रूपये

मौसम आज

तापमान
न्यूनतम - 26 डि.से.
अधिकतम - 39 डि.से.

न्यूज गैलरी

मानसून में तापमान और आर्द्रता से बढ़ सकता है हीट स्ट्रेस, बिमारियों और अंगों के फेल होने का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मानसून के मौसम में उच्च आर्द्रता (नमी) और गर्मी मिलकर असहनीय हीट स्ट्रेस (गर्मी का तनाव) को खतरनाक स्तर तक बढ़ा सकते हैं, जब वैश्विक तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून ब्रेक (बारिश के बीच के शुष्क दिनों) में उमस भरी गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे लगभग 1.2 अरब लोग तक प्रभावित हो सकते हैं। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन (एजीयू) एडवांसेज में प्रकाशित निष्कर्षों में कहा गया है कि जलवायु के गर्म होने के साथ मानसून के मौसम (जुलाई-अक्टूबर) के दौरान असहनीय गर्मी के तनाव में वृद्धि हो रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर और अमेरिका के स्टैनफोर्ड और पर्ड्यू विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं ने कहा कि गर्मी का लंबे समय तक बना हुआ तनाव जो गर्मी और मानसून दोनों मौसमों में होता है जन स्वास्थ्य, श्रम उत्पादकता और घनी आबादी वाले और संवेदनशील क्षेत्रों में जलवायु लचीलापन के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर सकता है। असहनीय गर्मी का तनाव तब होता है जब शरीर अत्यधिक गर्मी और आर्द्रता के कारण पसीना बहाने या अन्य तंत्रों के माध्यम से ठंडा नहीं हो पाता। गर्मी का लगातार संचय मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है, जिसमें गर्मी से संबंधित बीमारियां, अंगों का फेल होना और मृत्यु शामिल हैं। अध्ययन में दिखाया गया है कि 1979-2021 के दौरान असहनीय गर्मी का तनाव अधिक बार हो रहा है और यह भारत के अधिक क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है। 1980 के दशक में .1 लाख वर्ग किमी से बढ़कर 2020 में 0.4 लाख वर्ग किमी हो गया है।

पीओजेके में पाक सेना के अत्याचार पर भारत ने जताई आपत्ति, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीओजेके में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग और हिंसा को लेकर भारत ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराने की अपील की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं को छिपाने और मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए फर्जी खबरों और वीडियो का सहारा ले रहा है। उन्होंने कहा, पीओजेके में पुलिस की बर्बर कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें कई प्रदर्शनकारियों के मारे जाने और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की सूचना है। हम उम्मीद करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके कृत्यों और अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराएगा। जायसवाल ने यह भी दोहराया कि पूरा जम्मू-कश्मीर, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र भी शामिल हैं, भारत का अभिन्न अंग है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने पर, मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुफा मंदिर के कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की आज़ादी के बाद निर्वाचित रूप से सबसे अधिक अवधि तक देशसेवा करने का रिकॉर्ड आज अपने नाम किया है। वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक लंबे समय तक कार्य किया है। यह सभी देशवासियों के लिए गौरवशाली क्षण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, जनता के हित में एकजुटता के साथ कार्य करते हैं। वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ भारत को दुनिया में नंबर-1 देश बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आंतरिक रूप से सुरक्षित है, और सीमा से बाहर भी दुश्मनों के दांत खट्टे कर भारतीय सेना ने अपनी सामर्थ्य सिद्ध की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट सेवा के 12 वर्ष पूर्णहोने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भोपाल के गुफा मंदिर में आयोजित हनुमान चालीसा और प्रार्थना कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हनुमान चालीसा का श्रवण कर भगवान का पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के बाद उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद श्री आलोक शर्मा, श्री रविन्द्र यति तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के भीतर जनसेवा और सीमा पर सामरिक सुरक्षा सशक्त हुई है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राम राज्य में कोई भूखा नहीं सोता था, बेटियां सुरक्षित थीं, गौमाता के पूजन के साथ-साथ सनातन संस्कृति के मंदिरों का वैभव था। प्रधानमंत्री श्री मोदी का कार्यकाल भी इन्हीं उपलब्धियों का साक्षी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सादगीपूर्ण जीवनशैली के साथ देश सेवा में समर्पित हैं। उन्होंने देश के 25 करोड़ लोगों को मकान दिलवाए, 80 करोड़ नागरिकों को निःशुल्क अनाज वितरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं। हम सभी के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के भीतर जनसेवा और सीमा पर सामरिक सुरक्षा सशक्त हुई है।

देश में एक नए संकल्प का वातावरण है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भगवान श्री राम और हनुमान जी के आशीर्वाद से पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी पवित्र गीता में बताए कर्मवाद के सिद्धांत पर काम करते हैं। उन्होंने अपने कार्यों से पृथ्वी पर अपने जन्म को सार्थक किया है। गरीब परिवार में जन्मे प्रधानमंत्री श्री मोदी आज देश के गरीब परिवारों के लिए एक आदर्श हैं। देश में एक नए संकल्प का वातावरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सबको अवसर मिलता है। प्रदेशवासी अपने जीवन में संकल्प लें, संघर्ष करें और आगे बढ़ें।

हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है। देश-दुनिया से श्रद्धालु मंदिर में प्रभु श्रीराम और हनुमान जी का आशीर्वाद ले रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। प्रभु श्रीराम की विशेष कृपा मध्यप्रदेश पर है, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का मध्यप्रदेश को लगातार आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है - स्थानीय सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजीटल नवाचार और इन्फ्रास्ट्रक्टर निर्माण में अभूतपूर्व उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में गरीब, किसान, नारी सशक्तिकरण और युवाओं के गहरी संवेदना हैं। मध्यप्रदेश को हर पल उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन निरंतर प्राप्त हो रहा है।

पेट्रोल-सिलिंडर के बाद अब फ्लाइट टिकट के भी बढ़ेंगे दाम, जेट फ्यूल हुआ महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार की नई प्राइस स्टेबलाइजेशन स्कीम के तहत, घरेलू एयरलाइंस अब तीन साल तक के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतें तय कर सकती हैं। साथ ही सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने जेट फ्यूल की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नई व्यवस्था के तहत, जो एयरलाइंस इस स्वैच्छिक योजना को चुनेंगी उन्हें एटीएफ के लिए 115 रुपये प्रति लीटर की तय कीमत चुकानी होगी। पहले ये कीमत 104.927 रुपये प्रति लीटर थी।

जो एयरलाइंस इस फ्रेमवर्क से बाहर रहने का फेसला करती हैं, वे मार्केट से जुड़े रेट पर ही फ्यूल खरीदती रहेंगी। ये रेट अभी लगभग 142 रुपये प्रति लीटर हैं, जो इंटरनेशनल एयरलाइंस द्वारा चुकाई जाने वाली कीमतों के बराबर हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह स्कीम पूरी तरह से ऑप्शनल है और एयरलाइंस खुद तय करेंगी कि वे इसमें शामिल होना चाहती हैं या नहीं। जो एयरलाइंस इसमें शामिल होंगी वे लॉक-इन पीरियड के दौरान इंटरनेशनल बेंचमार्क कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षित रहेंगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित मामलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, 40 साल तक अटकी रही हत्या की अपील पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या पर गंभीर चिंता जताई है। शीर्ष अदालत ने हत्या के एक मामले में दोषी ठहराए गए व्यक्ति की अपील 40 वर्षों से अधिक समय तक लंबित रहने को न्यायिक व्यवस्था के लिए असाधारण स्थिति बताया।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने सोमवार को पूछा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में बढ़ती पेंडेंसी से निपटने और न्याय वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कौन से नए उपाय अपनाए जा सकते हैं। मामला कानपुर के विजय सिंह से जुड़ा है, जिन्हें 1985 में अपने भाई की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने इस फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन उनकी अपील पर फैसला आने में करीब 41 वर्ष लग गए। हाईकोर्ट ने इसी वर्ष फरवरी में उनकी अपील खारिज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि विजय सिंह केवल तीन महीने जेल में रहे और बाद में जमानत पर रिहा होकर लगभग 43 वर्ष तक अपनी अपील के निपटारे का इंतजार करते रहे।

4398 दिन से 4399 दिन तक : नए भारत की आकांक्षाओं के साथ विकसित होती शासन व्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ आंकड़े केवल रिकॉर्ड नहीं होते, बल्कि वे समय के साथ आए व्यापक परिवर्तनों पर विचार करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल का 4399वें दिन में प्रवेश ऐसा ही एक अवसर है।

इसके साथ ही वह स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 4398 दिनों के निर्वाचित प्रधानमंत्री के कार्यकाल को पीछे छोड़ रहे हैं। यह केवल दो प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल की तुलना का विषय नहीं है, बल्कि उन दो अलग-अलग युगों की शासन अवधारणाओं को समझने का अवसर भी है, जिन्होंने अपने-अपने समय में भारत के विकास की दिशा तय की। पंडित नेहरू ने ऐसे भारत का नेतृत्व संभाला था, जो अभी-अभी स्वतंत्र हुआ था। देश के सामने संस्थागत ढांचा खड़ा करने, लोकतंत्र को स्थिर बनाने, औद्योगिक आधार विकसित करने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने जैसी ऐतिहासिक चुनौतियां थीं। उस समय शासन का मुख्य उद्देश्य राष्ट निर्माण था।

इसलिए नेहरूवियन मॉडल में राज्य को विकास का प्रमुख माध्यम माना गया। बड़े सार्वजनिक उपक्रम, पंचवर्षीय योजनाएं, वैज्ञानिक संस्थान, बड़े बांध और आधारभूत उद्योग उसी सोच का हिस्सा थे। उस दौर में सरकार केवल नियामक नहीं, बल्कि विकास की मुख्य संचालक शक्ति थी।

लीलावती ट्रस्ट को बांबे हाई कोर्ट से बड़ा झटका; HDFC बैंक के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांबे हाई कोर्ट ने लीलावती अस्पताल चलाने वाले लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट की अंतरिम याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। याचिका में एचडीएफसी बैंक, उसके प्रबंध निदेशक और सीईओ शशिधर जगदीशन और अन्य लोगों को ट्रस्ट और उसके सदस्यों के खिलाफ कोई भी टिप्पणी करने से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। 'लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट' ने बैंक से 1,000 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग करते हुए मानहानि के मुकदमे में अंतरिम याचिका दायर की थी।

मोदी राज के 12 साल 12 मास्टरस्ट्रोक, इन फैसलों ने बदल दी देश की तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। 4,399 दिन लगातार पद पर रहकर वे भारत के सबसे लंबे समय तक निरंतर सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक और सामाजिक स्तर पर कई ऐतिहासिक सुधार देखे हैं। साल 2014 में सत्ता संभालने के तुरंत बाद उन्होंने जन-धन योजना के जरिए देश के करोड़ों गरीबों को बिना किसी न्यूनतम राशि के बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। इसके बाद उनके कार्यकाल में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिला, जबकि जीएसटी जैसे बड़े टैक्स सुधार ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी।

पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार ने भारत में कुछ सबसे महत्वपूर्ण नीतिगत बदलावों की देखरेख की है। इनमें से कई फैसलों ने देश के आर्थिक ढांचे, सुरक्षा सिद्धांत, कल्याणकारी वितरण तंत्र और राजनीतिक विमर्श को पूरी तरह से बदल दिया है।

राम मंदिर- शायद किसी भी मुद्दे का भाजपा के लिए राम जन्मभूमि आंदोलन से अधिक प्रतीकात्मक महत्व नहीं था। 2019 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद, राम मंदिर का निर्माण तेज हो गया, जो अंततः जनवरी 2024 में अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के रूप में संपन्न हुआ।

तीन तलाक- 2019 में, संसद ने तत्काल तीन तलाक को अपराध घोषित करने वाला कानून पारित किया। सरकार ने इस कदम को लैंगिक न्याय और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया, और तर्क दिया कि इसने मुस्लिम महिलाओं को मनमाने ढंग से तलाक की प्रथाओं के खिलाफ कानूनी सुरक्षा प्रदान की है।

अनुच्छेद 370- 5 अगस्त, 2019 को सरकार ने अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू और कश्मीर के विशेष संवैधानिक दर्जे को समाप्त कर दिया। इस फैसले ने भाजपा की लंबे समय से चली आ रही वैचारिक प्रतिबद्धता को पूरा किया और यह मोदी के कार्यकाल के सबसे साहसिक राजनीतिक कदमों में से एक था।

यूपीआई और डिजिटल क्रांति- भारत के डिजिटल परिवर्तन का सबसे अच्छा उदाहरण यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस है। 2016 में एक छोटे से भुगतान प्लेटफॉर्म के रूप में शुरू हुआ क्ढ्ढ, आज भारत की खुदरा अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गया है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 तक, इसने 200 बिलियन से अधिक लेनदेन संसाधित किए, जो देश की खुदरा डिजिटल भुगतान मात्रा का लगभग 85 प्रतिशत है, और लेनदेन का मूल्य 314 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

क्यूआर कोड अब इतने आम हो गए हैं कि किराने की खरीदारी और ईंधन से लेकर बिजली बिलों और सड़क किनारे के स्नैक्स तक हर चीज के लिए नकद की जगह डिजिटल भुगतान होने लगा है।

जैम ट्रिनिटी- जन धन-आधार-मोबाइल आर्किटेक्चर ने नागरिकों तक कल्याणकारी लाभ पहुंचने के तरीके को मौलिक रूप से बदल दिया है। बैंक खातों, बायोमेट्रिक पहचान और मोबाइल कनेक्टिविटी को जोड़कर, सरकार ने सब्सिडी वितरण में होने वाले लीकेज को कम किया और अभूतपूर्व पैमाने पर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर को संभव बनाया। यह मॉडल तब से डिजिटल गवर्नेंस में एक वैश्विक केस स्टडी बन गया है।

महिला आरक्षण बिल- महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना एक और बड़ा राजनीतिक क्षण था। यह कानून लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है, एक ऐसा सुधार जो राजनीतिक समर्थन के बावजूद दशकों से रुका हुआ था। जिससे महिलाओ का सत्ता मे भागीदारी बढ़ेगी।

जीएसटी- जुलाई 2017 में लागू हुए वस्तु एवं सेवा कर ने राज्य और केंद्रीय करों के जटिल जाल को हटाकर एक एकल अप्रत्यक्ष कर ढांचा पेश किया। यह सुधार कई वर्षों से लंबित था, लेकिन मोदी सरकार इसे लागू करने में सफल रही। जीएसटी ने एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बनाया और स्वतंत्रता के बाद भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में से एक बन गया।

स्टार्टअप इंडिया- जब मोदी ने 2016 में स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया था, तब भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अपने शुरुआती चरण में था। एक दशक बाद भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक का घर है, जहां फिनटेक, ई-कॉमर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में हजारों मान्यता प्राप्त स्टार्टअप काम कर रहे हैं। इस पहल ने नवाचार और उद्यमशीलता को आर्थिक नीति के केंद्र में स्थापित करने में मदद की।

उज्जैन के 1 लाख 60 हजार उज्ज्वला उपभोक्ताओं को झटका -जिले के गरीब परिवारों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

जिले के गरीब परिवारों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ - अब सिर्फ 4 गैस सिलेंडर पर मिलेगी सब्सिडी - संख्या 9 से घटाकर 4 की

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस का लाभ लेने वाले उज्जैन जिले के 1 लाख 60 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने योजना में बदलाव करते हुए सब्सिडी वाले गैस सिलेंडरों की संख्या सालाना 9 से घटाकर केवल 4 कर दी है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब लाभार्थियों को साल में सिर्फ चार सिलेंडरों पर ही 300 रुपए प्रति सिलेंडर की सब्सिडी मिलेगी, जबकि पांचवें सिलेंडर से उन्हें बाजार दर पर पूरी राशि का भुगतान करना होगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार यह फैसला उज्ज्वला परिवारों की औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मंत्रालय का दावा है कि अधिकांश लाभार्थी परिवार साल में करीब चार सिलेंडर ही उपयोग करते हैं, इसलिए सब्सिडी की सीमा को उसी अनुरूप निर्धारित किया गया है। हालांकि उज्जैन में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं जिनकी गैस खपत चार सिलेंडरों से अधिक रहती है।

ऐसे परिवारों को अब अतिरिक्त सिलेंडर खरीदने के लिए पूरी कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों के घरेलू बजट पर सीधा असर पड़ने की संभावना है। गौरतलब है कि हाल ही में 7 जून को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में 29 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर की कीमत 1001.50 रुपए तक पहुंच गई है। ऐसे में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को पहले चार सिलेंडरों पर 300 रुपए सब्सिडी मिलने के बाद करीब 701.50 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि इसके बाद लिए जाने वाले सभी सिलेंडर पूरे बाजार मूल्य पर खरीदने होंगे।

उज्ज्वला योजना की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी। उस समय लाभार्थियों को साल में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलते थे। बाद में यह संख्या घटाकर 9 की गई और अब इसे और कम करते हुए केवल 4 सिलेंडर तक सीमित कर दिया गया है। जिले के हजारों परिवारों का मानना है कि रसोई गैस लगातार महंगी होने के बीच सब्सिडी की सीमा कम होने से घरेलू खर्च बढ़ेगा और इसका सीधा असर आम लोगों की रसोई पर दिखाई देगा।

नटराजन का नामांकन रद्द होते ही सड़कों पर उतरी कांग्रेस

आंबेडकर प्रतिमा के सामने मौन धरने से साधा सरकार पर निशाना

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस ने उज्जैन में मौन प्रदर्शन कर भाजपा सरकार और चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए। टॉवर चौक स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष आयोजित विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना पर सीधा हमला बताया।

दोपहर एक बजे शुरू हुए प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष रवि राय, कांग्रेस नेता अजित सिंह, सेवा दल, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, आईटी सेल, ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक प्रभारी, पार्षद और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में तख्तियां लेकर मौन बैठे कार्यकर्ताओं ने नामांकन निरस्त किए जाने को राजनीतिक साजिश करार दिया। नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर लोकतांत्रिक व्यवस्था की हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि यदि नामांकन पत्र में कोई तकनीकी त्रुटि थी तो उसे नियमानुसार सुधरवाया जा सकता था, लेकिन जानबूझकर ऐसा अवसर नहीं दिया गया। यह पूरी कार्रवाई एक सोची-समझी रणनीति के तहत की गई, ताकि कांग्रेस को चुनावी मुकाबले से बाहर किया जा सके। राय ने कहा कि इस फैसले से केवल एक उम्मीदवार ही प्रभावित नहीं हुई, बल्कि कांग्रेस के 64 विधायकों के मतदान अधिकार भी अप्रत्यक्ष रूप से छीन लिए गए। उन्होंने इसे सीट चोरी बताते हुए कहा कि सत्ता पक्ष लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है। कांग्रेस नेता अजित सिंह ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन सुनियोजित षड्यंत्र के तहत निरस्त कराया गया।

उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे को केवल विरोध प्रदर्शन तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि प्रदेशभर में जनजागरण और आंदोलन चलाकर सरकार की नीतियों का विरोध करेगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष संविधान की रक्षा का संकल्प भी दोहराया। नेताओं का कहना था कि लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनावी पारदर्शिता को बचाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा तथा जनता के बीच इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

औचक निरीक्षण में निगम आयुक्त का सख्त एक्शन

एक कर्मचारी निलंबित, पांच का वेतन कटा मुख्यालय के विभिन्न विभागों में जांच

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। नगर निगम मुख्यालय में बुधवार को हुए औचक निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्य व्यवस्था की गहन समीक्षा की। निरीक्षण में लंबे समय से बिना अनुमति अनुपस्थित पाए गए एक कर्मचारी को निलंबित करने के निर्देश दिए गए, जबकि पांच अन्य कर्मचारियों का दो-दो दिन का वेतन काटने की कार्रवाई की गई।

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा की इस सख्ती को निगम कार्यालयों में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। निरीक्षण की शुरुआत स्थापना शाखा से हुई, जहां आयुक्त ने उपस्थिति रजिस्टर और कर्मचारियों की हाजिरी का मिलान किया। जांच में सहायक वर्ग-3 कर्मचारी अभिषेक रघुवंशी की उपस्थिति 1 जून के बाद दर्ज नहीं मिली। जानकारी में सामने आया कि उन्होंने 1 से 5 जून तक अवकाश के लिए आवेदन किया था, लेकिन अवकाश स्वीकृत नहीं हुआ था। इसके बावजूद वे निर्धारित अवधि के बाद भी कार्यालय नहीं पहुंचे।

इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए आयुक्त ने उनके निलंबन के निर्देश दिए। इसी शाखा में सहायक वर्ग-3 कर्मचारी हर्षित शाह भी अनुपस्थित पाए गए। इस पर उनके दो दिन का वेतन काटने के आदेश जारी किए गए। इसके बाद आयुक्त ने जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन शाखा, मानचित्र विभाग तथा सामान्य प्रशासन विभाग का निरीक्षण किया और कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ कार्य निष्पादन की स्थिति का भी जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जन्म-मृत्यु शाखा के प्रभारी लिपिक सोनू मकवाना और पूजा चौधरी, सामान्य प्रशासन विभाग की प्रभारी लिपिक लक्ष्मी रणावत तथा भृत्य राजूबाई भी अनुपस्थित मिलीं।

आयुक्त ने इन सभी कर्मचारियों के दो-दो दिन के वेतन कटौती के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि बिना सूचना अनुपस्थिति और कार्य में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगम प्रशासन की इस कार्रवाई से कर्मचारियों में अनुशासन को लेकर संदेश गया है।

उज्जैन की 80 फीसदी होटलों में फायर सेफ्टी के इंतजाम अधूरे

निगम की जांच में खुली पोल, कई होटलों में इमरजेंसी एग्जिट तक नहीं- 30 जून तक फायर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने के निर्देश

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। दिल्ली के एक होटल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद नगर निगम ने शहर के होटलों में फायर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच शुरू की है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि शहर की करीब 80 प्रतिशत होटलों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। कई प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी उपकरण अधूरे मिले, जबकि कुछ जगहों पर आपातकालीन निकास मार्ग (इमरजेंसी एग्जिट) तक नहीं पाया गया।

बीते दिन नगर निगम के फायर ऑफिसर लक्ष्मणप्रसाद साहू ने अन्य अधिकारियों के साथ रेलवे स्टेशन क्षेत्र की होटलों का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान फायर एनओसी, अग्निशमन यंत्रों की स्थिति, भवन सुरक्षा और विद्युत सुरक्षा संबंधी दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की गई। अधिकारियों ने होटल संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी भी दी।

निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी चिंता यह सामने आई कि कई होटलों के पीछे पहुंच मार्ग या गली नहीं है। ऐसे में भवन के पिछले हिस्से में आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड के लिए मौके तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। अधिकारियों ने इसे गंभीर सुरक्षा जोखिम माना है।नगर निगम की टीम ने होटल गुजरात पैलेस, विराज, कलश, शिव महिमा, आमंत्रण, ड्रीम पैलेस, आमंत्रण एवेन्यू, रॉयल व्यू और एटलस सहित कई प्रतिष्ठानों की जांच की। फायर एनओसी के अलावा भवन अनुज्ञा और विद्युत सुरक्षा प्रमाण-पत्रों का भी सत्यापन किया गया।

फायर ऑफिसर लक्ष्मणप्रसाद साहू ने बताया कि केवल फायर एनओसी प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। सभी होटल संचालकों को हर वर्ष अग्निशमन ऑडिट कराना होगा और उसकी रिपोर्ट निगम में जमा करनी होगी। इसके लिए 30 जून तक की समय-सीमा निर्धारित की गई है। निर्धारित समय में रिपोर्ट जमा नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन क्षेत्र के बाद महाकाल मंदिर क्षेत्र, नानाखेड़ा बस स्टैंड और फ्रीगंज इलाके में भी अभियान चलाकर होटलों एवं अन्य बड़े प्रतिष्ठानों की जांच की जाएगी।

नियमों के अनुसार 15 मीटर से अधिक ऊंचे भवन, 500 वर्गमीटर से बड़े निर्मित क्षेत्र वाले कॉम्प्लेक्स, 50 से अधिक बेड वाले होटल और अस्पताल, शॉपिंग मॉल, मल्टीप्लेक्स, सिनेमा हॉल एवं मैरिज गार्डन में फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट अनिवार्य है।

ऐसे प्रतिष्ठानों में फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर, स्प्रिंकलर सिस्टम, हाइड्रेंट, इमरजेंसी एग्जिट और आपातकालीन लाइटिंग जैसी व्यवस्थाएं होना जरूरी है। शहर में वर्तमान में 500 से अधिक होटल और अस्पताल संचालित हैं। इनमें 100 से अधिक बड़े प्रतिष्ठान तथा 400 से ज्यादा छोटे होटल एवं अस्पताल शामिल हैं।

नगर निगम ने सभी संचालकों से फायर एनओसी, भवन अनुज्ञा, विद्युत सुरक्षा प्रमाण-पत्र, अग्निशमन उपकरणों की जानकारी और वार्षिक फायर ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के उन्नयन में जुड़ा एक ऐतिहासिक महत्वपूर्ण अध्याय – प्रो. शिवशंकर मिश्र

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(ब) की मान्यता प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। स्थापना के लगभग 18 वर्षों बाद विश्वविद्यालय इस प्रतिष्ठित मान्यता के निर्णायक चरण तक पहुंचा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति का ऑनलाइन निरीक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय के उन्नयन और विकास की दिशा में यह एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण अध्याय है। उनके कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच एवं सतत मार्गदर्शन में धारा 12(B) मान्यता हेतु आवश्यक समस्त शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं दस्तावेजी तैयारियों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूर्ण किया गया। विश्वविद्यालय परिवार के समन्वित प्रयासों एवं कर्मयोगी भावना से यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। निरीक्षण समिति का नेतृत्व केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने किया।

समिति में प्रो. ब्रजेश कुमार पांडे, प्रो. अमरेंद्र मात्सा, प्रो. मीना राजीव चंदावरकर, डॉ. अतुल बेबी वार्ष्णेय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. मंथा श्रीनिवासु शामिल रहे।

समिति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों, अधोसंरचना, पुस्तकालय, छात्र सुविधाओं तथा विभिन्न विभागों की उपलब्धियों का विस्तृत अवलोकन किया और आचार्यों एवं अधिकारियों के साथ संवाद कर विश्वविद्यालय की प्रगति एवं भावी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12(B) की मान्यता किसी भी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, विश्वसनीयता एवं उत्कृष्टता का महत्वपूर्ण प्रमाण होती है। यह मान्यता प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय को शोध परियोजनाओं, अधोसंरचना विकास, नवाचार, अकादमिक उन्नयन तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग संबंधी विभिन्न योजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

साथ ही संस्कृत, वेद, शास्त्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित शोध एवं अध्ययन को नई गति मिलेगी तथा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा और अधिक सुदृढ़ होगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विशेषज्ञ समिति के सकारात्मक मूल्यांकन के उपरांत विश्वविद्यालय शीघ्र ही धारा 12(B) की मान्यता प्राप्त करेगा, जिससे शोध, नवाचार, उच्च शिक्षा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे। विश्वविद्यालय परिवार ने इस निरीक्षण को संस्थान के इतिहास का एक स्वर्णिम पड़ाव बताते हुए इसे कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र के प्रभावी नेतृत्व, दूरदर्शी कार्यशैली और सतत प्रयासों का परिणाम बताया।

विश्वविद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि धारा 12(B) की मान्यता प्राप्त होने के साथ ही महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय संस्कृत शिक्षा, अनुसंधान और भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नए ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

उज्जैन । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं।

निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को योग दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, 21 जून को आयोजित गतिविधियों की एकत्रित प्रतिवेदन रिपोर्ट 24 जून 2026 तक उच्च शिक्षा विभाग को भेजने के लिए कहा गया है।

महाकाल मंदिर में भाजपा ने किए 108 जाप, मोदी की दीर्घायु और राष्ट्र समृद्धि की कामना

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुआ धार्मिक आयोजन, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता हुए शामिल

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी नगर इकाई द्वारा आज बुधवार को महाकाल मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं 108 जाप का आयोजन कर प्रधानमंत्री की दीर्घायु और राष्ट्र की सुख-समृद्धि के लिए भगवान महाकाल से प्रार्थना की गई। भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी सुबह 11 बजे के लगभग महाकाल मंदिर पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुआ।

जिला मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा ने बताया कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व, राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके योगदान तथा देश की निरंतर प्रगति के लिए भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त करना था। भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में सुशासन, गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इन्हीं उपलब्धियों के उपलक्ष्य में यह विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

अलखनंदा नगर में सूने मकान में लगी आग, घरेलू सामान जला

परिवार बाहर गया हुआ था, सूचना मिलते ही पहुंची फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। शहर के अलखनंदा नगर स्थित बी सेक्टर में बुधवार शाम एक सूने मकान में अचानक आग लग गई। आग लगने से घर में रखा घरेलू सामान जलकर खराब हो गया। समय रहते फायर ब्रिगेड के पहुंचने से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार अलखनंदा नगर बी सेक्टर निवासी कुमार गौरव विजय के मकान में शाम के समय आग भड़क उठी। घटना के वक्त मकान मालिक और उनके परिवार के सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। वे किसी काम से बाहर गए हुए थे। आसपास के लोगों ने मकान से धुआं और आग की लपटें निकलती देख तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और फायर कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से घर में रखा फर्नीचर, घरेलू उपयोग का सामान और अन्य वस्तुएं प्रभावित हुई हैं। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय नागरिकों ने समय पर पहुंचकर आग बुझाने वाली टीम की कार्रवाई की सराहना की। फायर ब्रिगेड अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू ने बताया कि सूचना मिलते ही दल को रवाना कर दिया गया था, जिसके चलते आग को फैलने से रोक लिया गया और आसपास के मकानों को सुरक्षित बचा लिया गया।

उज्जैन की सुनैना बर्मन को राष्ट्रीय युवा फेलोशिप; मुकाभिनय में देश के टॉप 7 में बनाई जगह

उज्जैन। सांस्कृतिक नगरी उज्जैन के नाम एक और स्वर्णिम उपलब्धि जुड़ गई है। माइम एजुकेशन सोसाइटी' की प्रतिभावान कलाकार सुनैना बर्मन का चयन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय युवा फेलोशिप अवार्ड के लिए हुआ है। सुनैना ने अपने प्रथम प्रयास में ही इस राष्ट्रीय स्तर की फेलोशिप को हासिल कर न सिर्फ संस्था, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश का मान बढ़ाया है।

देशभर से हुआ कड़ा मुकाबला, मुकाभिनय में सिर्फ 7 का चयन

इस वर्ष संस्कृति मंत्रालय द्वारा पूरे भारत से विभिन्न कला विधाओं में कुल 367 प्रतिभावान युवाओं का चयन किया गया है। बेहद गर्व की बात है कि इनमें से मुकाभिनय विधा के लिए पूरे देश से महज 7 कलाकारों को चुना गया है, जिसमें मध्य प्रदेश से 2 और पश्चिम बंगाल से 5 कलाकार शामिल हैं। मध्य प्रदेश के इन दो कलाकारों में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन की सुनैना बर्मन ने अपनी कला का लोहा मनवाते हुए सूची में अपना स्थान सुरक्षित किया।

10 वर्षों की कड़ी साधना का मिला फल

सुनैना पिछले करीब 10 वर्षों से माइम एजुकेशन सोसाइटी में रहकर मुकाभिनय की बारीकियों को सीख रही हैं। वे संस्था के निदेशक और विख्यात रंगकर्मी जितेन्द्र टटवाल के कुशल सानिध्य और मार्गदर्शन में अपनी कला को निखार रही हैं। गौरतलब है कि जितेंद्र टटवाल के मार्गदर्शन में इससे पहले अक्षय राठौर भी इस प्रतिष्ठित फेलोशिप को प्राप्त कर उज्जैन का नाम रोशन कर चुके हैं।

गुरु, माता–पिता और सीनियर्स को दिया सफलता का श्रेय

अपनी इस ऐतिहासिक सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए सुनैना बर्मन ने इसका पूरा श्रेय अपने गुरु आदरणीय जितेंद्र टटवाल, अपने माता-पिता के आशीर्वाद और संस्था के सीनियर साथियों के सहयोग को दिया है।

भारत के हठयोग से निरोग हो रहा विश्व

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व बेला पर मयूर पार्क में अनूठा लाठी व चुनरी योग, शहर के कई योगाचार्यों को मिली योग गुरु की उपाधि

उज्जैन। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व बेला में मयूर पार्क विक्रम वाटिका में एक कदम स्वस्थ वृद्धावस्था की ओर विषय पर अनूठे लाठी योग और प्राणायाम का आयोजन किया गया। ब्रह्मयोग फिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर मुकेश टटवाल ने कहा कि भारत के हठयोग के कारण पूरा विश्व निरोग बन रहा है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि शरीर से मन और आत्मा तक पहुंचने की एक यात्रा है। उन्होंने उपस्थित लोगों को संदेश दिया कि अपनी सेहत और व्यायाम से प्रेम करें, वरना आप किसी से भी प्रेम करने लायक नहीं रहेंगे।

लाठी और चुनरी योग का हुआ उत्कृष्ट प्रदर्शन

कार्यक्रम में योगाचार्य प्रीति जैन बम्बोड़ी ने लाठी के माध्यम से कटि चक्रासन, अर्ध उत्तानासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, पर्वतासन और अश्व संचालन जैसे उपयोगी आसन करवाए। इसके जरिए शरीर का संतुलन, लचीलापन, रीढ़ की मजबूती और मानसिक शांति के गुर सिखाए गए। वहीं शिवोहम योग संस्था द्वारा पायल खेमानी और डॉ. सविता पांडे के मार्गदर्शन में चुनरी योग का बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। 6 वर्षीय बालिका युगांशी व्यास ने योग की सुंदर प्रस्तुति दी, जबकि ब्रह्म योग फिट की बालिकाओं युगांशी, एकांशी, भव्या, पूर्वी, पीहू और प्रिंसी ने अद्भुत योग नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

योगाचार्यों को योग गुरु की उपाधि

कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति राजेश अग्रवाल ने की और विशेष अतिथि वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद व्यास थे। इस अवसर पर उज्जैन शहर के विभिन्न स्थलों पर योग केंद्र संचालित करने वाले योगाचार्य शैलजा रिछारिया, रघुवीर पटेल, गिरधारी शर्मा, संगीता शर्मा, शैलेंद्र सिंह चौहान, डॉ. रामेश्वर पांडेय, बृजमोहन शर्मा, मीनाक्षी शर्मा और ज्योत्सना व्यास को योग गुरु की उपाधि से अलंकृत कर सम्मानित किया गया।

इन्होंने किया स्वागत और संचालन

अतिथियों का स्वागत योगाचार्य प्रीति जैन बम्बोड़ी, मंजू यादव, रचना चौहान, चेतन राठौर और नीरज यादव ने किया। योग शिविर का सफल संचालन हास्य गुरु स्वामी मुस्कुराके शैलेंद्र व्यास ने किया और अंत में आभार प्रदर्शन संजय बम्बोड़ी ने किया।

स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपकर शोषण खत्म करने की मांग

उज्जैन। जिले के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने ठेका एजेंसियों द्वारा किए जा रहे आर्थिक और मानसिक शोषण के विरोध में बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल को ज्ञापन सौंपा। मध्य प्रदेश राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ के प्रदेश मंत्री गुलशन मंसूरी के नेतृत्व में लामबंद कर्मचारियों ने न्यूनतम वेतन, पीएफ, ईएसआईसी और मातृत्व अवकाश से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से रखीं।

कर्मचारियों ने बताया कि विभाग में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर, लैब टेक्नीशियन, सफाई कर्मी और सिक्योरिटी गार्ड को कलेक्टर दर के बजाय मात्र छह से दस हजार रुपए वेतन दिया जा रहा है।

शासन द्वारा वर्ष 2024 में कोर्ट के आदेश के बाद आउटसोर्स कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन का एरियर देने का आदेश जारी किया गया था, लेकिन उज्जैन में अब तक इसका भुगतान नहीं हुआ है। ठेका एजेंसी द्वारा पीएफ की राशि भी सही तरीके से जमा नहीं की जा रही है। खातों में पीएफ के नाम पर केवल 200 से 300 रुपए ही पहुंच रहे हैं।

धमकाती है एजेंसी, ईएसआईसी नंबर भी जनरेट नहींज्ञापन में बताया गया कि महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश का लाभ नहीं मिल रहा है। श्रम नियमों के अनुसार ईएसआईसी कार्ड धारक श्रमिक को छह माह के सवैतनिक मातृत्व अवकाश की पात्रता है, लेकिन कई कर्मचारियों के ईएसआईसी नंबर तक जनरेट नहीं किए गए हैं। हक मांगने पर एजेंसी अपात्र होने की बात कहकर लौटा देती है। कर्मचारियों में भय का माहौल है, क्योंकि आवाज उठाने पर एजेंसी द्वारा संस्था बदलने या सेवा से पृथक करने की धमकी दी जाती है।

अधिकार न मिलने पर होगी कार्रवाईसीएमएचओ डॉ. अशोक पटेल ने संगठन को आश्वस्त किया है कि तत्काल संबंधित एजेंसी के मालिक को बुलाकर बात की जाएगी। कर्मचारियों को उनके अधिकार नहीं मिलने पर संबंधित के खिलाफ उचित कार्रवाई होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी, जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, संभागीय अध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार, उपाध्यक्ष राजकुमार सोलंकी, जिला उपाध्यक्ष विजय परिहार, आयुष प्रदेश संयोजक राधे मोहन शर्मा, लघु वेतन कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष हेमराज घावरी, संभागीय उपाध्यक्ष वर्षा कछवाय सहित बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित थे।

चारभुजा नाथ मंदिर में सजी नंदोत्सव और दही हांडी लीला की मनमोहक झांकी

उज्जैन। पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में गोला मंडी स्थित चारभुजा नाथ मंदिर में प्रतिदिन आकर्षक झांकियों का आयोजन किया जा रहा है। इन मनमोहक झांकियों के दर्शन का लाभ प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु ले रहे हैं। इसी कड़ी में मंदिर में नंदोत्सव और दही हांडी लीला उत्सव की आकर्षक झांकी सजाई गई।

मनोरथी श्रीमती शांतादेवी अशोक कुमार मंडोवरा और हेमंत कुमार बुद्धिप्रकाश सोनी की ओर से पंडित बृजभूषण दीक्षित द्वारा विधि-विधान से पूजन-अर्चन संपन्न कराया गया। इसके पश्चात मनोरथी परिवार द्वारा भगवान की विशेष आरती की गई। इस अवसर पर मनोरथी परिवार के सदस्य केतन मंडोवरा, शीला मंडोवरा, ध्वनि मंडोवरा, हेमंत मंडोवरा, प्रीती मंडोवरा और धवल मंडोवरा ने भी सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आरती में इनकी रही विशेष उपस्थितिमहाआरती में लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, कैलाशनारायण राठी, वीरेंद्र कुमार गट्टानी, दिनेश चंद्र डाढ़, नृसिंह देवपुरा, भूपेंद्र भूतड़ा, अशोक परवाल, महेश चांडक, अर्जुन समदानी, प्रकाश तोतला, कैलाश चंद्र गगरानी, अर्पण इनानी, लोकेंद्र काबरा, संजय सोडानी, ओमप्रकाश बाहेती, सचिन बसेर, कैलाशनारायण चांडक, लोकेंद्र भूतड़ा, नरेंद्र राठी, ओमप्रकाश मूंदड़ा, राजेश झंवर, कैलाश जैथल्या, राजकुमार भूतड़ा, संजय (नट्टू) मूंदड़ा, वल्लभ चांडक, अतुल देवपुरा, प्रकाश काबरा, मनसुखलाल झंवर, प्रदीप आगीवाल, जितेंद्र तोषनीवाल, रमेश चंद्र मालपानी और कल्पेश गट्टानी ने भी शामिल होकर धर्मलाभ लिया।

कलेक्टर श्री सिंह ने हरी फाटक ब्रिज के समानांतर ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पहले जमीनी स्तर के कार्य पूर्ण किए जाएं

उज्जैन । सिंहस्थ महापर्व 2028 के विश्वव्यापी आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विकास कार्य तेजी से प्रगतिरत हैं। आवागमन और भीड़ प्रबंधन के लिए हरीफाटक ब्रिज के समानांतर ब्रिज का निर्माण कार्य तेज गति से निर्माणाधीन है। बुधवार को कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने समानांतर ब्रिज निर्माण कार्य, महाकाल मंदिर के समीप सड़क निर्माण कार्य और श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गति बढ़ाते हुए गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री का उपयोग किया जाए। इसी तरह श्री महाकालेश्वर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधापूर्वक दर्शन हो सकें, ऐसी व्यवस्था तय करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को नियमित निरीक्षण के तहत हरीफाटक ब्रिज के समानांतर निर्माणाधीन ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यह परियोजना सिंहस्थ की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। परियोजना में तीन भुजाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें मुख्य भुजा नीलकंठ द्वार की ओर, द्वितीय भुजा महाकाल लोक की ओर तथा तृतीय भुजा बड़नगर रोड की ओर निर्मित की जानी है। कलेक्टर श्री सिंह ने हरीफाटक रेलवे ओवरब्रिज के निरीक्षण के दौरान निर्माण एजेंसी को तीव्र गति से गुणवत्तापूर्ण कार्य किए जाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने श्री महाकालेश्वर मंदिर के समीप हेरिटेज होटल के सामने निर्माणाधीन मार्ग और बड़ा गणेश मंदिर के सामने निर्माणाधीन सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण कर बारिश के पहले जरूरी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके बाद कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने श्री महाकालेश्वर मंदिर के अंदर सामान्य श्रद्धालुओं और विशेष दर्शन टिकट के माध्यम से दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए निर्धारित दर्शन व्यवस्था का अवलोकन भी किया।

एक सप्ताह में 10 लाख श्रद्धालुओं ने श्री महाकाल बाबा के दर्शन किए

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि श्री महाकालेश्वर मंदिर में पिछले एक सप्ताह के दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के दर्शन किए हैं। श्रद्धालुओं की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश हैं कि बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधापूर्वक दर्शन कराने के लिए बेहतर व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा अनुसार दर्शन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्लान तैयार किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल के अच्छे से दर्शन लाभ हो सके। कलेक्टर श्री सिंह ने श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अधिकारियों को दर्शन व्यवस्था और अधिक बेहतर करने के निर्देश दिए हैं, जिससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।

निरीक्षण के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक श्री प्रथम कौशिक, सहायक प्रशासक श्री मूलचंद जूनवाल सहित मंदिर के अधिकारी भी मौजूद रहे।

माँ शिप्रा का पूजन एवं चुनरी अर्पित कर शुद्ध जल की कामना

उज्जैन। बड़ा पुल स्थित पवित्र शिप्रा नदी तट पर उदयपुर से आए भगवान दास एवं उनके परिवार द्वारा माँ शिप्रा पूजन, चुनरी अर्पण एवं विशाल भंडारा के कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माँ शिप्रा के जल की शुद्धता एवं निर्मलता के लिए प्रार्थना करना तथा जनमानस में नदी संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत कामाख्या तंत्र पीठ आश्रम के कामाख्या पुत्र हिमालय गिरी महाराज के सान्निध्य में माँ शिप्रा की आरती से हुई। इसके पश्चात विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माँ शिप्रा का पूजन कर चुनरी अर्पित की गई। संतोष शर्मा ने बताया कि उदयपुर निवासी भगवान दास एवं उनका परिवार प्रतिवर्ष उज्जैन आकर माँ शिप्रा का पूजन-अर्चन करता है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी श्रद्धा और भक्ति के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में साधु-संत एवं श्रद्धालु शामिल हुए।भगवान दास ने कहा कि माँ शिप्रा में स्नान करने से व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति एवं पुण्य की प्राप्ति होती है। माँ शिप्रा के आशीर्वाद से ही उन्हें विभिन्न शहरों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों, संत सेवा एवं भंडारा प्रसादी के कार्यों में सहभागी बनने की प्रेरणा मिलती है, जिससे उनके परिवार को सुख-शांति प्राप्त होती है।

इस वर्ष माँ शिप्रा के पूजन के दौरान परिवार ने यह संकल्प भी लिया है कि आगामी सिंहस्थ-2028 में उज्जैन आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सेवा हेतु विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में माँ शिप्रा की शुद्धता, अविरलता एवं समस्त जनकल्याण की कामना की गई।

आधुनिक शिक्षा और नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ेंगे शिक्षक, आठ दिवसीय प्रशिक्षण 11 से

उज्जैन। शिक्षण गुणवत्ता बढ़ाने और शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति द्वारा 11 से 18 जून तक आठ दिवसीय विशेष शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान शिक्षाविद और विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ नैतिक मूल्यों से भी परिचित कराएंगे।

अभ्यास वर्ग के संयोजक डॉ. शैलेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रशिक्षण का शुभारंभ 11 जून को होगा। प्रथम दिन मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक लेखन समिति के अध्यक्ष डॉ. भगीरथ कुमावत शिक्षक का व्यक्तित्व और उसका विद्यार्थियों पर प्रभाव विषय पर व्याख्यान देंगे। द्वितीय सत्र में इंदौर की बाल पत्रिका देवपुत्र के संपादक गोपाल माहेश्वरी नैतिक शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षण पर अपने विचार रखेंगे।

इन समसामयिक विषयों पर भी होगा मंथन

आठ दिन चलने वाले इस वर्ग में वैदिक गणित, कंप्यूटर शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकास, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 21वीं सदी के शिक्षक की भूमिका और व्यवहार परिवर्तन में शिक्षक की महत्ता जैसे समसामयिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और रोचक बनाने के लिए शैक्षणिक सत्रों के साथ ही खेल, बौद्धिक प्रतियोगिताएं, मनोरंजन सत्र और शिक्षकों की प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी।

18 जून को होगा समापन

प्रशिक्षण वर्ग का समापन 18 जून को होगा। अंतिम दिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप आधुनिक शिक्षण तकनीकों और सह-शैक्षणिक कार्यों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षा के बदलते आयामों से जोड़ना है, ताकि वे विद्यार्थियों के समग्र विकास में अधिक प्रभावी और सशक्त भूमिका निभा सकें।

खेल पुरस्कार 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित

उज्जैन । जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्री ओ.पी हारोड ने जानकारी दी कि खेल पुरस्कार-2026 (एकलव्य, विक्रम, विश्वामित्र, प्रभाष जोशी एवं लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार) के लिए ऑनलाइन (Online) आवेदन 10 जून से 31 जुलाई, तक आमंत्रित किये जा रहे हैं।

पुरस्कार खेल और युवा कल्याण विभाग, म.प्र. शासन के नवीन पुरस्कार नियम 2021÷ के अनुसार विगत 05 वर्षों (01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च, 2026) में अर्जित खेल उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किये जावेंगे। साहसिक खेल (समुद्र, जमीन एवं वायु आधारित) हेतु भी विक्रम एवं एकलव्य पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

पुरस्कार हेतु पात्रता, पुरस्कार राशि व www.dsyw.mp.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदक विभागीय वेबसाइट पर दी गई लिंक से या सीधे अन्य शर्तें विभागीय वेबसाइट https://anudan.dsywmp.gov.in तथा प्ले स्टोर से खेल और युवा कल्याण के "Anudan" App Download करके भी ऑनलाइन (Online) आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को ऑनलाइन (Online) आवेदन करने के उपरांत आवेदन की प्रति (जिस पर पंजीयन क्रमांक अंकित हो) के साथ खेल प्रमाण-पत्र एवं अन्य अभिलेख की छाया प्रति संबंधित जिले के जिला खेल और युवा कल्याण कार्यालय/ संचालनालय, खेल और युवा कल्याण, टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में दिनांक 31 जुलाई, 2026 तक जमा करना अनिवार्य होगा।

एआई+ स्मार्टफोन ने बदली लॉन्च की परंपरा, पहले होगी समीक्षा फिर शुरू होगी बिक्री

उज्जैन, जून 2026– एआई+ स्मार्टफोन ने अपने आगामी नोवा2 नियो और नोवा2 प्रो स्मार्टफोनों के लॉन्च को लेकर एक अनोखी पहल की घोषणा की है। कंपनी इन स्मार्टफोनों को पहले तकनीकी विशेषज्ञों, समीक्षकों और कंटेंट क्रिएटर्स को उपलब्ध कराएगी, जबकि उनकी स्वतंत्र समीक्षाओं के बाद ही बिक्री शुरू की जाएगी। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार का एम्बार्गो, तयशुदा संदेश या समीक्षा संबंधी दिशा-निर्देश नहीं दिए जाएंगे। एआई+ स्मार्टफोन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी माधव शेठ के अनुसार, कंपनी उपभोक्ताओं को प्रचार के बजाय वास्तविक अनुभव और निष्पक्ष राय के आधार पर खरीदारी का निर्णय लेने का अवसर देना चाहती है। यह पहल पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

युवा संगम रोजगार मेले में 318 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन हुआ

उज्जैन । शासन के निर्देशानुसार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से प्रतिमाह युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार व अप्रेंटिसशिप मेले) का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय द्वारा किया जा रहा है। इसी तारतम्य में 10 जून,बुधवार को कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में युवा संगम का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), खाचरौद, जिला उज्जैन परिसर में किया गया।

रोजगार मेले में 11 कंपनियों के 350 रिक्त पदों के लिए 508 अभ्यर्थियों द्वारा पंजीयन किया गया जिसमें से 318 युवक-युवतियों का प्रारंभिक चयन किया गया। इसके साथ ही जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 140 आवेदकों को काउंसिलिग कर उन्हें करियर मार्गदर्शन व परामर्श दिया गया। साथ ही आई.टी.आई. के माध्यम से अप्रेंटिसशिप में 15 युवाओं का चयन किया गया। मेले में जिला व्यापार एंव उद्योग केंद्र एवं जनपद पंचायत खाचरौद द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कि गई है।

15वीं फेडरेशन कप नेशनल बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में शैलेंद्र व्यास को विशेष आमंत्रण

उज्जैन। इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन मुंबई के तत्वावधान में 12 और 13 जून को पंजाब के लुधियाना में आयोजित होने वाली 15वीं फेडरेशन कप नेशनल बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश के कोषाध्यक्ष और नेशनल जज शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश के चेयरमैन प्रेम सिंह यादव और पूर्व मिस्टर इंडिया सिविल सर्विसेज जितेंद्र सिंह कुशवाह ने बताया कि इस भव्य चैंपियनशिप का आयोजन पंजाब एमेच्योर बॉडीबिल्डिंग संगठन द्वारा किया जा रहा है।

इसमें मेंस बॉडीबिल्डिंग स्पोर्ट्स फिजिक और वूमेन मॉडल फिजिक स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी।

इस राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में मध्य प्रदेश का दल भी सहभागिता कर रहा है। चैंपियनशिप के लिए मध्य प्रदेश टीम में राजीव साहू, बनवारी गुर्जर, अरबाज खान, प्रदीप ठाकुर, अफराज खान और पुष्पेंद्र ठाकुर का चयन किया गया है।

संपादकीय

बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व -21वीं सदी की दो अदृश्य वैश्विक चुनौतियाँ

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी मानव सभ्यता को तकनीक, विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक ले जा रही है, लेकिन इसी प्रगति के समानांतर दुनियाँ दो ऐसी अदृश्य और बढ़ती चुनौतियों से जूझ रही है, जिनका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक, गहरा और दीर्घकालिक स्तरपर भविष्य के निर्माता युवाओं पर पड़ रहा है है, वो है बौद्धिक प्रदूषण और नशा जिसके खिलाफ़ समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है।पर्यावरणीय प्रदूषण के समाधान की दिशा में वैश्विक तंत्र,कानून, विज्ञान और तकनीक सतत सुधार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हवा, पानी, प्लास्टिक, कचरा, औद्योगिक उत्सर्जन और कार्बन फुटप्रिंट को नियंत्रित करने के लिए नीतियाँ, शोध, संस्थान और संसाधन मौजूद हैं, लेकिन बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व उतनी तेजी और सटीकता से नहीं बन पा रहा है। जब प्रश्न मानव चेतना, विचार, मूल्य और मानसिकता के प्रदूषण का हो,तो समाधान पारंपरिक नहीं रह जाता, बल्कि वह नैतिक, बौद्धिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक हस्तक्षेपों पर आधारित हो जाता है। यही कारण है कि बौद्धिक प्रदूषण किसी भी सभ्यता को भीतर से कमजोर करने वाला सबसे खतरनाक %%अदृश्य स्मॉग%% बन चुका है, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक प्रदूषण से नहीं की जा सकती।इसी प्रकार नशा आज केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, जनसंख्या, परिवार, शिक्षा, अपराध, मानव संसाधन और राष्ट्रीय विकास से जुड़ेबहुआयामी संकट का रूप ले चुका है। यह सोचना कि नशाखोरी रोकना केवल पुलिस, कानून या दंड व्यवस्था की जिम्मेदारी है, एक गलत और सीमित दृष्टिकोण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे के बढ़ते मामलों में 70 प्रतिशत जड़ें सामाजिक व्यवहार, वातावरण,परिवार, सांस्कृतिक प्रभाव और मानसिक तनाव से जुड़ी होती हैं, जबकि कानून केवल अंतिम चरण में हस्तक्षेप करता है। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई वास्तव में समाज,परिवार शिक्षा तंत्र, स्वास्थ्य संस्थान, मीडिया, धार्मिक-सांस्कृतिक समुदायों और शासन प्रणाली इन सभी का संयुक्त युद्ध है।

साथियों बात अगर हम बौद्धिक प्रदूषण एक अदृश्य खतरा और वैश्विक संकट है इसको समझने की करें तो बौद्धिक प्रदूषण को सरल शब्दों में परिभाषित किया जाए तो यह वह स्थिति है जब मनुष्य की सोच, समझ, विवेक, निर्णय-क्षमता और नैतिक चेतना गलत,भ्रमित, पक्षपातपूर्ण उग्र, हिंसक, असत्य या दुष्प्रभावित विचारों से प्रभावित हो जाती है। यह प्रदूषण किसी फैक्ट्री के धुएँ या वाहन के धुएँ की तरह दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका नुकसान किसी भी वायु प्रदूषण से बड़ा हो सकता है, क्योंकि यह व्यक्ति को विचारों, धारणाओं और सूचनाओं के भ्रमजाल में फँसा कर उसकी तार्किक क्षमता और सामाजिक चेतना को नष्ट कर देता है। फेक न्यूज, नफरत आधारित प्रचार, कट्टर राष्ट्रवाद, उग्रवाद, नस्लीय विभाजन, षड्यंत्र,धार्मिक उन्माद, डिजिटल हेरफेर, गलत सूचना, दुष्प्रचार, हेट स्पीच और सोशल मीडिया एल्गोरिद्म के माध्यम से फैलने वाला भ्रम,आज दुनियाँ भर के देशों में बौद्धिक प्रदूषण के मुख्य स्रोत बन चुके हैं।तकनीक और ज्ञान की उपलब्धता जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तेजी से मानव मन की ग्रहणशीलता पर अनियंत्रित सूचनाओं का बोझ बढ़ा है। इंटरनेट ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन उसी ने अज्ञान को भी संस्थागत रूप दे दिया। अब सत्य और असत्य में फर्क करना एक आम नागरिक के लिए पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। यह बौद्धिक धुंध न केवल व्यक्ति के विवेक को प्रभावित करती है, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और मानवीय मूल्यों को भी कमजोर करती है। इतिहास गवाह है कि सभ्यताएँ बाहरी हमलों से कम, आंतरिक भ्रम, विभाजन, गलत विचारधारा और मानसिकप्रदूषण से अधिक टूटती हैं। इसी कारण बौद्धिक प्रदूषण मानवता के लिए एक साइलेंट ग्लोबल पैंडेमिक बनकर उभरा है। साथियों बात अगर हम क्या बौद्धिक प्रदूषण का समाधान संभव है? इसको समझने की करें तो, भौतिक प्रदूषण के समाधान स्पष्ट हैं, फिल्टर, रिसाइक्लिंग प्रतिबंध, तकनीक, कानून और स्वच्छ ऊर्जा। लेकिन बौद्धिक प्रदूषण का समाधान विज्ञान नहीं, बल्कि चेतना, शिक्षा, नैतिकता, संवाद, मीडिया जिम्मेदारी और सामाजिक संरचना के सुधार में निहित है। यह प्रदूषण तब पनपता है जब समाज तर्क की जगह अंधानुकरण को अपनाता है,जब शिक्षा ज्ञान की जगह अंकों पर आधारित हो जाती है, जब मीडिया सूचना की जगह सनसनी को बेचने लगता है,और जब तकनीक सत्य की जगह भ्रम को अधिक प्रोत्साहित करती है। इसलिए समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए,समालोचनात्मक सोच पर आधारित शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तथ्य-आधारित संवाद, मीडिया पारदर्शिता, सामाजिक संवाद, युवा नेतृत्व और बहु सांस्कृतिक सम्मान की संस्कृति।

बौद्धिक प्रदूषण को किसी एक संस्था, कानून या सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह एक मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक चुनौती है। यह समाधान तभी संभव है जब वैश्विक समाज सत्य को मूल्य के रूप में स्वीकार करे, संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे और शिक्षा को नौकरी नहीं बल्कि चेतना- निर्माण का माध्यम समझे। हर परिवार,हर स्कूल,हर विश्वविद्यालय और हर राष्ट्र को यह स्वीकार करना होगा कि विचारों की शुद्धता सभ्यता के अस्तित्व के लिए अनिवार्य है। यदि मन प्रदूषित है तो प्रगति विनाश बन जाती है, और यदि विचार निर्मल हैं तो मानवता हर संकट का समाधान ढूँढ सकती है। साथियों बात अगर हम नशे के खिलाफ़ लड़ाई,केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं,एक सामाजिक युद्ध है इसको समझने की करें तो, नशा किसी एक देश, समाज, धर्म, वर्ग या उम्र की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक महामारी है।

एआई कंपनी के एक बयान से शेयर बाजार में भूचाल

वैश्विक वित्तीय परिवेश में आज सूचना,अनुमान और तकनीकी घोषणाएँ कितनी तीव्रता से पूंजी बाजारों को प्रभावित करती हैं।इसका सटीक उदाहरण 24 फरवरी 2026 को भारतीय शेयर बाजार में दर्ज की गई गिरावट से देखने को मिला। संभवतः एक बार फिर यह साबित हों गया, दोपहर के सत्र में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी एंथ्रोंपिक ने अपने एआई मॉडल क्लाउडे कोट के लिए एक नया टूल प्रस्तुत करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आधुनिक प्रणालियों में रूपांतरित करना बताया गया,पुराने कोबोल कोड को मॉडर्न बनाने में मदद करेगा।इससे माना जा रहा है कि सॉफ्टवेयर सर्विसेज की मांग कम हो सकती है।तो कुछ ही घंटों में भारतीय आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली।दिन के दौरान निफ्टी आईटी सूचकांक लगभग 4.74 प्रतिशत तक गिर गया और प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 1,068 अंकों से अधिक टूटकर 82,225.92 पर तथा निफ़्टी 50 288 अंकों सेअधिक गिरकर 25,424.65 पर बंद हुआ।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, अब प्रश्न यह उठता है कि क्या केवल एक तकनीकी घोषणा इतनी बड़ी गिरावट का कारण बन सकती है,या यह गिरावट पहले से मौजूद आशंकाओं की परिणति थी?वैश्विक वित्तीय बाजारों की संरचना को समझे बिना इस घटना का विश्लेषण अधूरा रहेगा। आज के दौर में पूंजी बाजार केवल मौलिक आर्थिक संकेतकों जैसे जीडीपी वृद्धि, मुद्रास्फीति या ब्याज दर से संचालित नहीं होते, बल्कि वे सूचना-आधारित अपेक्षाओं पर अधिक निर्भर हैं।व्यवहारिक अर्थशास्त्र बताता है कि निवेशकों का निर्णय तर्कसंगत गणनाओं के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक संकेतों से भी प्रभावित होता है।जब कोई अग्रणी तकनीकी कंपनी यह संकेत देती है कि वह ऐसे उपकरण विकसित कर रही है जो पारंपरिक सॉफ्टवेयर सेवाओं की आवश्यकता को कम कर सकते हैं, तो निवेशक तुरंत यह अनुमान लगाने लगते हैं कि आईटी सेवा कंपनियों के राजस्व

मॉडल पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। परिणामस्वरूप, जोखिम से बचने की प्रवृत्ति सक्रिय हो जाती है।

साथियों बात अगर हम भारतीय आईटी उद्योग पिछले तीन दशकों में वैश्विक आउटसोर्सिंग मॉडल का प्रमुख स्तंभ रहा है इसको समझने की करें तो, बैंकिंग, बीमा, दूरसंचार और सरकारी प्रणालियों में दशकों से उपयोग हो रहे कोबोल जैसे पुराने प्रोग्रामिंग ढाँचों के रखरखाव और आधुनिकीकरण से भारतीय कंपनियों को निरंतर आय प्राप्त होती रही है।यदि एआई आधारित उपकरण स्वचालित रूप से इन कोडों को आधुनिक भाषाओं में रूपांतरित कर दें, तो निवेशकों को यह भय हो सकता है कि परंपरागत मैनपावर- आधारित सेवाओं की मांग घटेगी। हालांकि यह केवल एक संभावित परिदृश्य है, लेकिन बाजार तत्काल संभावनाओं को कीमतों में समाहित कर लेता है। यही कारण है कि एआई संबंधी घोषणाएँ अक्सर तकनीकी शेयरों में असामान्य उतार-चढ़ाव उत्पन्न करती हैं।यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैश्विक स्तर पर एआई कंपनियों के उदय ने निवेश परिदृश्य को पुनर्परिभाषित कर दिया है। ओपन एआई ,गूगल , माइक्रोसॉफ्ट और नवीडिया जैसी कंपनियों ने पिछले वर्षों में एआई आधारित उत्पादों और चिप्स के माध्यम से बाजार पूंजीकरण में भारी वृद्धि दर्ज की है। निवेशकों की दृष्टि में एआई अब केवल एक तकनीकी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि औद्योगिक क्रांति 4.0 का प्रमुख इंजन है। ऐसे वातावरण में जब कोई नई एआई क्षमता प्रस्तुत होती है, तो बाजार उसे पारंपरिक उद्योगों के लिए संभावित विघटन के रूप में देखता है।24 फरवरी की गिरावट को केवल एक कंपनी के बयान से जोड़ना सरलीकरण होगा। उस समय वैश्विक स्तर पर पहले से ही कई अनिश्चितताएँ मौजूद थीं, अमेरिका में संभावित ब्याज दर नीतियों को लेकर असमंजस, यूरोप में विकास दर की मंदी, और एशियाई बाजारों में निर्यात मांग को लेकर चिंताएँ। जब बाजार पहले से ही अस्थिर मनोदशा में हो, तब कोई भी नकारात्मक संकेत बिकवाली को तेज कर सकता है। इसे ट्रिगर इवेंट कहा जाता है,जहाँ मूल कारण गहरे होते हैं, लेकिन एक छोटा समाचार तत्काल प्रतिक्रिया को सटीक रूप से जन्म देता है।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक वित्त के सिद्धांत हर्ड बिहेवियर इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है इसको समझने की करें तो, जब कुछ बड़े संस्थागत निवेशक किसी क्षेत्र में बिकवाली शुरू करते हैं,तो एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग सिस्टम और खुदरा निवेशक भी उसी दिशा में कदम बढ़ाते हैं। परिणामस्वरूप, गिरावट अपनी गति स्वयं निर्मित करती है।आईटी क्षेत्र में 4.74 प्रतिशत की गिरावट यह संकेत देती है कि बाजार ने इसे केवल अल्पकालिक समाचार नहीं, बल्कि संभावित संरचनात्मक परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा।हालांकि, तकनीकी दृष्टि से यह भी विचारणीय है कि एआई उपकरण पारंपरिक सॉफ्टवेयर सेवाओं का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकते।कोड आधुनिकीकरण केवल एक चरण है;उसके बाद परीक्षण, एकीकरण, साइबर सुरक्षा और रखरखाव जैसी सेवाएँ आवश्यक रहेंगी। भारतीय आईटी कंपनियाँ पहले ही एआई को अपनी सेवाओं में समाहित करने की दिशा में अग्रसर हैं। इसलिए दीर्घकाल में यह परिवर्तन उनके लिए अवसर भी सिद्ध हो सकता है। इतिहास बताता है कि तकनीकी क्रांतियाँ रोजगार और सेवाओं को समाप्त करने के साथ-साथ नए क्षेत्रों का सृजन भी करती हैं।

साथियों बात अगर हम दीर्घकालिक निवेशकों के लिए ऐसे उतार-चढ़ाव अवसर भी प्रदान करते हैं, इसको समझने की करें तो,जब किसी क्षेत्र में भय के कारण मूल्य गिरते हैं, तो मजबूत बुनियादी कंपनियों में निवेश का अवसर उत्पन्न होता है। किंतु अल्पकालिक ट्रेडिंग करने वाले निवेशकों के लिए यह जोखिमपूर्ण समय होता है। इसलिए पोर्टफोलियो विविधीकरण और जोखिम प्रबंधन की रणनीतियाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से समझने की करें तो 2000 के डॉट-कॉम बुलबुले के समय भी तकनीकी घोषणाओं ने बाजार में तीव्र उतार-चढ़ाव उत्पन्न किए थे। उस समय इंटरनेट कंपनियों के मूल्यांकन में अत्यधिक आशावाद देखा गया, जो बाद में यथार्थ से टकराकर ध्वस्त हुआ। वर्तमान एआई उछाल की तुलना भी कई विश्लेषक उसी दौर से करते हैं, हालांकि इस बार तकनीकी आधार कहीं अधिक ठोस है। फिर भी, मूल्यांकन और वास्तविक आय के बीच संतुलन महत्वपूर्ण है।भारतीय बाजार की संरचना में आईटी क्षेत्र का भार उल्लेखनीय है। जब आईटीसूचकांक गिरता है,तो समग्र सूचकांकों पर उसका प्रभाव स्वाभाविक है।1,068 अंकों की गिरावट केवल संख्यात्मक घटना नहीं, बल्कि निवेशकों की मनोदशा का प्रतिबिंब है। यह दर्शाता है कि तकनीकी क्षेत्र के प्रति संवेदनशीलता कितनी अधिक है। यदि एआई उपकरणों को लेकर आशंका बढ़ती है, तो विदेशी संस्थागत निवेशक भी अपने पोर्टफोलियो मेंसमायोजन कर सकते हैं, जिससे पूंजी प्रवाह प्रभावित होता है।यह भी समझना आवश्यक है कि बाजार समाचार पर नहीं, बल्कि समाचार की व्याख्या पर प्रतिक्रिया करता है।

एंथ्रोपिक का कथन वस्तुतः एक तकनीकी उन्नयन की घोषणा थी, किंतु उसकी व्याख्या इस रूप में की गई कि इससे सॉफ्टवेयर सेवाओं की मांग घट सकती है। यही व्याख्या बिकवाली का आधार बनी। यदि वही घोषणा इस रूप में प्रस्तुत होती कि यह पारंपरिक आईटी कंपनियों के लिए नए अवसर सृजित करेगी, तो प्रतिक्रिया भिन्न हो सकती थी।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के दृष्टिकोण से देखकर समझने की करें तो वे राजनीतिक स्थिरता और नीति निरंतरता को महत्व देते हैं।जबव्यापार समझौते टूटते हैं या नए प्रतिबंध लगाए जाते हैं,तो जोखिम प्रीमियम बढ़ जाता है। इसका अर्थ है कि निवेशक अधिक प्रतिफल की मांग करते हैं या पूंजी सुरक्षित स्थानों पर ले जाते हैं।उभरते बाजारों में यह प्रभाव अधिक स्पष्ट दिखाई देता है क्योंकि वहाँ की अर्थव्यवस्थाएँ पूंजी प्रवाह पर निर्भर होती हैं।

एनसीईआरटी कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक और न्यायपालिका की आति सख़्ती- जवाबदेही, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक संतुलन का प्रश्न

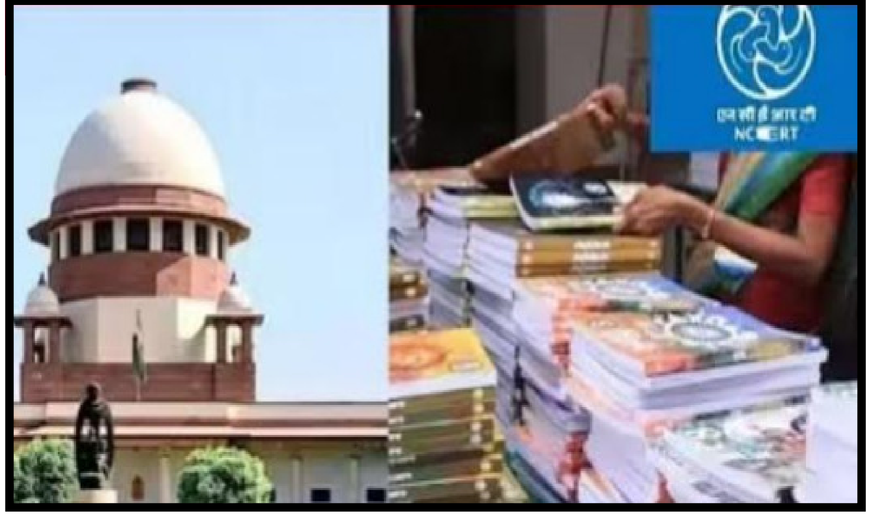

वैश्विक स्तरपर भारत में दशकों से मलाईदार मंत्रालय और मलाईदार पद मलाईदार एरिया जैसे शब्द राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श का हिस्सा रहे हैं। संसद से लेकर विधानसभा विधान परिषद और पंचायत समिति के चुनाव तक में हमेशा ऐसा सुनने में मिलता है जिससे आम जनमानस में यह धारणा गहरी है कि सरकारी ठेकों से लेकर राजस्व कार्यालयों तक,भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक समस्या के रूप में मौजूद है। चुनावी मंचों पर 40-50 प्रतिशत कमीशन की चर्चाएँ,पटवारी से लेकर उच्च अधिकारियों तक चाय-पानी के बिना काम न होने की शिकायतें,ये सब सार्वजनिक संवाद का हिस्सा रहे हैं। ऐसे वातावरण में जब कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से अध्याय जोड़ा गया,तो बहस का स्वर अचानक तीखा हो गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि अब प्रश्न यह उठता है कि यदि भ्रष्टाचार एक व्यापक सामाजिक -प्रशासनिक समस्या है, तो पाठ्यपुस्तक में केवल न्यायपालिका का ही उल्लेख क्यों? क्या यह चयनात्मक प्रस्तुति है?क्या यह संस्थागत संतुलन के विरुद्ध है?और सबसे महत्वपूर्ण,इसकी जवाबदेही किसकी है? इस अध्याय पर आपत्ति जताते हुए वरिष्ठ नेता कपिल सिबल ने सार्वजनिक रूप से प्रश्न उठाया कि यदि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का उल्लेख किया जा सकता है, तो फिर राजनेताओं,मंत्रियों, लोकसेवकों और जांच एजेंसियों का नाम क्यों नहीं? उनका तर्क यह था कि भ्रष्टाचार किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है; यह एक व्यापक प्रशासनिक- सामाजिक समस्या है। इसलिए यदि शैक्षणिक ईमानदारी के नाम पर किसी एक स्तंभ का उल्लेख हो,तो अन्य स्तंभों का भी समान रूप से संदर्भ होना चाहिए। इस कथन ने बहस को संस्थागत मर्यादा बनाम पारदर्शिता के प्रश्न में बदल दिया। क्या बच्चों को संस्थागत कमियों के बारे में बताना पारदर्शिता है या संस्थागत अविश्वास का बीजारोपण?मामले ने तब गंभीर रूप लिया जब भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने स्वतःसंज्ञान लेकर सुनवाई प्रारंभ की।प्रधानन्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसे अत्यंत गंभीर माना और कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का संवैधानिक स्तंभ है; यदि पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से यह संदेश जाए कि यह स्तंभ ही संदिग्ध है, तो उसके दूरगामी परिणाम होंगे। न्यायालय ने एनसीईआरटी निदेशक और शिक्षा सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया तथा स्पष्ट किया कि केवल माफी पर्याप्त नहीं होगी;जवाबदेही तय करनी होगी। न्यायालय की टिप्पणी क़ि यह न्यायपालिका पर पहली गोली चलाने जैसा है,संकेत देती है कि अदालत ने इसे संस्थागत गरिमा पर प्रत्यक्ष प्रहार के रूप में देखा। न्यायालय ने यह भी प्रश्न उठाया कि जब पुस्तक बाजार और डिजिटल मंचों पर उपलब्ध है,तो बाद में उसे वापस लेना कितनी प्रभावी कार्यवाही होगी। डिजिटल युग में सामग्री एक बार प्रसारित हो जाने के बाद उसे पूर्णतःहटाना लगभग असंभव होता है।इसलिए अदालत ने निर्देश दिया कि हार्ड कॉपी और डिजिटल दोनों स्वरूपों को तत्काल हटाया जाए तथा समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

साथियों बात अगर हम शैक्षणिक प्रक्रिया और निर्णय की संरचना इसको समझने की करें तो,एनसीईआरटी की आंतरिक प्रक्रिया के अनुसार पाठ्यपुस्तक समिति के सदस्य प्रस्तावों की समीक्षा करते हैं,चर्चा करते हैं,और अंततः अंतिम स्वीकृति निदेशक के स्तर पर होती है। समिति सुझाव देती है,पर अंतिम निर्णय निदेशक के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में प्रश्न उठता है,क्या इसअध्याय को शामिल करते समय पर्याप्त विमर्श हुआ क्या कानूनी सलाह ली गई? क्या सामग्री की भाषा और प्रस्तुति संतुलित थी? यदि नहीं,तो यह संस्थागत प्रक्रिया में किस स्तर की चूक है एनसीईआरटी ने बाद में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वह न्यायपालिका का सम्मान करता है और यह सामग्री अनजाने में हुई गलती थी। उसने अध्याय को पुनर्लेखन और हटाने का निर्णय भी घोषित किया। किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल खेद प्रकट करना पर्याप्त नहीं;जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करनाअत्यंत आवश्यक है।

अवैध कब्जे का निस्तारण, हल्द्वानी मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

लंबे समय से विवाद और तनाव के केंद्र में रहे उत्तराखंड के हल्द्वानी में बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे और साथ ही राज्य सरकार की जमीन पर अवैध तरीके से बसे लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने वहां से हटाने का फैसला करके वही किया, जो न्यायसंगत था। यदि यह मांग मान ली जाती कि अतिक्रमण करके बसे लोगों को वहीं रहने दिया जाए तो इससे न केवल करीब 30 हेक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा वैध हो जाता, बल्कि रेलवे के विस्तार की महत्वाकांक्षी परियोजना पर ग्रहण भी लगता।

सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि अवैध तरीके से बसे लोग यह तय नहीं कर सकते कि रेलवे रेल लाइन विस्तार के लिए अन्य विकल्प चुने, लेकिन इसी के साथ उसने इस जमीन से बेदखल होने वालों के प्रति जो मानवीय दृष्टिकोण अपनाया, उसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगभग पांच हजार परिवारों के जो हजारों लोग रेलवे और उसके पास की राज्य सरकार की जमीनों पर रह रहे हैं, उनमें से पात्र लोगों को पीएम आवास योजना के तहत आवास दिए जाएं।

इस फैसले पर केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ने पात्र परिवारों को विस्थापन के बाद छह महीने तक प्रति माह 2,000 रुपये भत्ता देने का भी वादा किया। पहली नजर में यह लग सकता है कि एक तरह से सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों को पुरस्कृत किया जा रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि इस कब्जे को लेकर न तो रेलवे समय रहते चेता और न ही उत्तराखंड सरकार।

यह एक तथ्य है कि आम तौर पर सरकारी विभाग अपनी जमीनों पर अतिक्रमण और अवैध कब्जे को लेकर उदासीन बने रहते हैं और फिर यकायक अपनी जमीन खाली कराने की सुध लेते हैं। इससे वहां रह रहे लोगों के सामने संकट खड़ा हो जाता है। उनके रहने का ठिकाना छिनने के साथ ही उनकी रोजी-रोटी भी प्रभावित होती है। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले को नजीर न माना जाए और उसने जो मानवीय दृष्टिकोण अपनाया, वह मदद ज्यादा और अधिकार कम है। देश में हजारों एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे हैं। इसके लिए कब्जा करने वालों के साथ वे विभाग भी जिम्मेदार हैं, जो अपनी जमीनों पर कब्जे के समय आंखें मूंदे रहते हैं।

यदि सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराना है तो वहां दशकों से रह रहे लोगों के पुनर्वास के बारे में कोई ठोस नीति बनानी होगी।

ध्यान रहे अपने देश में अपनी ही जमीनों पर बसे लोगों को जब किसी परियोजना के चलते विस्थापित किया गया तो उनमें से भी अनेक का न तो ढंग से पुनर्वास किया गया और न ही उनकी आजीविका की चिंता की गई। निःसंदेह सरकारी अथवा गैर-सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे मुक्त होने चाहिए, लेकिन मानवीय दृष्टिकोण के साथ।

चिंता का विषय है जातीय वैमनस्यता को बढ़ावा देना

देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जिस प्रकार का अराजक वातावरण बनाया जा रहा है तथा समाज में विघटनकारी प्रदर्शनों से जातीय वैमनस्यता को बढ़ावा दिया जा रहा है, वह भले ही सत्ता को अस्थिर करने का मंसूबा पालने वाली शक्तियों के लिए हर्ष का विषय हो, लेकिन देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है। सोशल मीडिया एवं विभिन्न संचार माध्यम अपने संकीर्ण स्वार्थ के लिए जिस प्रकार से जातीय विघटनकारी विमर्श पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं, उससे प्रश्न उत्पन्न होता है, कि जिन पर देश में शांति, सद्भाव, समरसता बनाये रखने का दायित्व है, वे अपने दायित्व से विमुख होकर अराजक तत्वों के मंसूबों को सींचने में अपना सहयोग प्रदान क्यों कर रहे हैं। कौन नहीं जानता, कि देश में बढ़ती जनसंख्या गंभीर मुद्दा है, बिना स्पष्ट एवं कठोर जनसंख्या नीति के देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। देश के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन अधिकाधिक हो रहा है। जल और आवास की मूलभूत सुविधाएं भी लोगों को मयस्सर नहीं हैं। वोट के लालच में कतिपय राजनीतिक दल इस मुद्दे पर गंभीर नहीं हैं। कुछ राजनीतिक दल तो घुसपैठियों को संरक्षण प्रदान करके कुछ प्रदेशों में सत्ता सुख भोग रहे हैं। लंबे समय से देश में समान नागरिक संहिता लागू किये जाने की वकालत की जा रही है, किन्तु राजनीतिक कारणों से इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। देश को राजनीति की प्रयोगशाला बनाने में सभी दल सामाजिक समरसता और गुणवत्ता परक शिक्षा से खिलवाड़ करने में लगे हैं। जिन प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को अध्ययन करके राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए थी,वे शिक्षण कक्ष की जगह सड़कों पर ढपली बजाकर सामाजिक समरसता का विरोध करने पर आमादा हैं। उन्हें आजाद भारत में न जाने कौन सी आजादी चाहिए। जिस दौर में हाथ का कारीगर अपनी मजदूरी स्वयं तय कर रहा है, तथा अपनी शर्तों पर कार्य कर रहा है, बिना किसी भेदभाव के एक दूसरे के साथ बैठकर भोजन करता है, उस दौर में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत भेदभाव विमर्श प्रस्तुत करके जनमानस में नफरत की दीवार खड़ी करने के पीछे कौन सी शक्तियां खड़ी हैं, यह जाँच का विषय है।

लोकतंत्र में मत भिन्नता होना स्वाभाविक है, किन्तु आपसी मतभेदों में राष्ट्र की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों की अवहेलना किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराई जा सकती। सो आवश्यक है, कि समाचार चैनलों से लेकर सोशल मीडिया तक नफरत परोसने वाले विमर्श पर प्रतिबंध लगे। प्रमाणिक तथ्यों के बिना प्रस्तुत किसी भी विचार या कथन को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा जाए।

कलेक्टर ने मेघनगर की पेयजल व्यवस्था का किया निरीक्षण, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं झायड़ा बैराज का लिया जायजा

झाबुआ। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने नगर परिषद मेघनगर के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, झायड़ा बैराज एवं इंटेक वेल का निरीक्षण कर नगर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल शोधन, गुणवत्ता परीक्षण एवं जल स्त्रोतों से संबंधित व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कच्चे पानी के संग्रहण से लेकर उसके शुद्धिकरण एवं वितरण तक की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने जल शोधन की विभिन्न चरणबद्ध प्रक्रियाओं, फिल्ट्रेशन यूनिट, क्लोरीनेशन व्यवस्था तथा जल गुणवत्ता परीक्षण प्रणाली की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर ने शुद्ध किए गए पानी का क्लोरीन टेस्ट अपने समक्ष कराकर उसकी गुणवत्ता का परीक्षण भी किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल की गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का नियमित परीक्षण किया जाए तथा नागरिकों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

कलेक्टर ने कहा कि नगर की जल प्रदाय व्यवस्था से जुड़े सभी तंत्रों का नियमित रखरखाव एवं सतत निगरानी आवश्यक है। जल शोधन संयंत्र की कार्यक्षमता बनाए रखते हुए गुणवत्ता नियंत्रण के सभी मापदंडों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को निरंतर स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके।

इसके पश्चात कलेक्टर ने झायड़ा बैराज एवं इंटेक वेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैराज में उपलब्ध जल की स्थिति, जल संग्रहण क्षमता तथा इंटेक वेल के माध्यम से जल उठाव की व्यवस्था का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने इंटेक वेल में दूषित पानी के विथड्रॉल की प्रक्रिया को भी देखा तथा संबंधित अधिकारियों से इसकी संपूर्ण कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि जल गुणवत्ता बनाए रखने एवं स्वच्छ जल के संग्रहण को सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर दूषित अथवा अनुपयुक्त पानी की निकासी की जाती है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बैराज एवं इंटेक वेल क्षेत्र की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा जल स्त्रोतों को प्रदूषण से सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सावधानियां बरती जाएं। उन्होंने इंटेक वेल की मशीनरी, पम्पों एवं विद्युत उपकरणों का नियमित निरीक्षण करने, आवश्यक मरम्मत समय पर कराने तथा आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं तैयार रखने के निर्देश दिए।

साथ ही जल स्तर एवं जल गुणवत्ता की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न होने देने के लिए अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

कलेक्टर ने कहा कि पेयजल आपूर्ति से जुड़ी प्रत्येक इकाई की कार्यक्षमता एवं गुणवत्ता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए आमजन को निर्बाध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम सुश्री अवनधती प्रधान, सीएमओ मेघनगर, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बरेला का सांदीपनि विद्यालय तैयार, 16 जून से शुरू होंगी नियमित कक्षाएं

जबलपुर। बरेला स्थित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सांदीपनि विद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 4.426 एकड़ क्षेत्र में 32.76 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह विद्यालय अब विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आगामी 16 जून से केजी-1 से लेकर कक्षा 12वीं तक की नियमित कक्षाएं प्रारंभ होंगी। विद्यालय में 1830 विद्यार्थियों के प्रवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, अब तक तक 1292 विद्यार्थियों का प्रवेश हो चुका है। विद्यालय प्राचार्य के अनुसार नई प्रवेश नीति लागू होने के बाद अब निजी विद्यालयों के विद्यार्थी भी मेरिट के आधार पर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे, जिससे निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति में सहायता मिलेगी। -अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है विद्यालय- चार एकड़ से अधिक क्षेत्र में निर्मित तीन मंजिला विद्यालय भवन में केजी-1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग कक्षाओं की व्यवस्था की गई है। नन्हे बच्चों के लिए विशेष प्ले रूम, आकर्षक खिलौने और झूले तैयार किए गए हैं। विद्यालय में म्यूजिक रूम, डांस रूम, कंप्यूटर लैब, गणित, जीवविज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान की आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। सभी कक्षाओं में इंटरएक्टिव पैनल (डिजिटल बोर्ड) लगाए गए हैं, जिनकी मदद से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक एवं इंटरनेट आधारित शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसके अलावा विद्यार्थियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सिक रूम की भी व्यवस्था की गई है। कुशल शिक्षक देंगे शिक्षा विद्यालय के प्राचार्य डी.के. गुप्ता ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित सभी विषयों एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के लिए कुशल एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। वर्तमान में विद्यालय में 41 शिक्षक कार्यरत हैं, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर शिक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यालय भवन का निर्माण ए-ग्रेड गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया गया है। प्रवेश प्रक्रिया निरंतर जारी है और आने वाले दिनों में विद्यार्थियों की संख्या 1500 तक पहुंचने की संभावना है।

-कक्षावार प्रवेश लक्ष्य केजी-1 = 75 विद्यार्थी केजी-2 = 75 विद्यार्थी कक्षा 1 से 8 वी तक = 120 विद्यार्थी प्रति कक्षा कक्षा 9वी एवं 10वी = 160 विद्यार्थी प्रति कक्षा कक्षा 11वी एवं 12 वी = कुल 200 विद्यार्थी, प्रति कक्षा में 40-40 विधार्थियो को प्रवेश दिया जाएगा. कृषि, बायोलॉजी, मैथ्स, कॉमर्स एवं आर्ट्स संकाय में शामिल है। विद्यालय प्राचार्य का मानना है कि आधुनिक सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नई प्रवेश नीति के कारण सांदीपनि विद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक बेहतर शैक्षणिक विकल्प के रूप में स्थापित होगा।

बाल संप्रेषण गृह में निवासरत किशोरों के लिये आयोजित किया गया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कृष्णमूर्ति मिश्र के मार्गदर्शन में आज बाल संप्रेषण गृह में निवासरत किशोरों के लिए निः शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बालकों के समग्र स्वास्थ्य का आकलन करना तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना था। शिविर के दौरान सभी किशोरों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें स्वास्थ्य परामर्श एवं अन्य आवश्यक चिकित्सकीय जांचें शामिल थीं। साथ ही, जरूरतमंद बालकों को दवाइयों का वितरण भी किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती शक्ति वर्मा ने सभी बालकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए प्रतिदिन योग एवं व्यायाम करने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त नींद लेने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के महत्व को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने विशेष रूप से गर्मी के मौसम में होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं जैसे लू लगना, डिहाइड्रेशन एवं थकान लू से बचाव के उपायों पर भी प्रकाश डाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने सकारात्मक सोच अनुशासित दिनचर्या एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर भी जोर देते हुए बालकों को प्रेरित किया कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और किसी भी समस्या होने पर तुरंत परामर्श लें। उन्होंने नशे से दूर रहने का आग्रह करते हुये कहा कि नशा केवल एक बुरी आदत ही नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी मानसिक और शारीरिक बीमारी है जो हंसते-खेलते परिवारों को तबाह कर देती है।

स्व-निधि मिली तो मंजिल खुद चलकर आई

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के सिद्धेश्वर नगर, मुरार की रहने वाली इन्द्रा प्रजापति की कहानी उन लाखों महिलाओं के लिए एक मिसाल है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने सपनों को पंख देना चाहती हैं।

कुछ समय पहले तक इन्द्रा के पास न पर्याप्त पूंजी थी और न कोई बड़ा सहारा, पर उन्हें अपनी अदम्य जिजीविषा और मेहनत पर अटूट भरोसा था। प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना ने उनकी उम्मीद को पंख लगा दिए। योजना के तहत इन्द्रा को पहले चरण में 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस छोटी-सी पूंजी को उन्होंने बड़े हौसले के साथ लगाया और हाथ ठेले पर फल बेचने का व्यवसाय शुरू किया। उनकी लगन और ईमानदार मेहनत रंग लाई। व्यवसाय चल निकला और घर में खुशहाली की एक नई सुबह हुई।

कुछ समय पहले तक इन्द्रा के पास न पर्याप्त पूंजी थी और न कोई बड़ा सहारा, पर उन्हें अपनी अदम्य जिजीविषा और मेहनत पर अटूट भरोसा था। प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना ने उनकी उम्मीद को पंख लगा दिए। योजना के तहत इन्द्रा को पहले चरण में 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस छोटी-सी पूंजी को उन्होंने बड़े हौसले के साथ लगाया और हाथ ठेले पर फल बेचने का व्यवसाय शुरू किया। उनकी लगन और ईमानदार मेहनत रंग लाई। व्यवसाय चल निकला और घर में खुशहाली की एक नई सुबह हुई।

आज इन्द्रा प्रजापति के चेहरे पर जो संतोष और आत्मनिर्भरता की चमक है, वह इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है। वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से कृतज्ञ हैं और कहती हैं कि इस योजना ने उनके जीवन को एक नया अर्थ दिया है।

इन्द्रा की स्वावलंबन की ओर यह यात्रा सिद्ध करती है कि जब सरकार की सही नीति और एक आम नागरिक की कड़ी मेहनत साथ आती है, तो तस्वीर बदलते देर नहीं लगती।

महिन्द्रा पिकअप वाहन से 904.8 बल्क लीटर अवैध शराब जप्त

झाबुआ। जिले में अवैध मदिरा के धारण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट तथा उपायुक्त, संभागीय उड़नदस्ता इंदौर श्री इंदरसिंह जामोद के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती बसंती भूरिया के निर्देशन में दिनांक 09 जून 2026 को रात्रि गश्त के दौरान आबकारी टीम द्वारा वृत्त पेटलावद 'ब' क्षेत्र में बदनावर-सारंगी मार्ग पर एक संदिग्ध महिन्द्रा पिकअप वाहन को चिन्हित किया गया। टीम द्वारा वाहन का पीछा कर ग्राम कसारबर्डी में उसे रोका गया। वाहन चालक वाहन को सड़क पर छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश किए जाने के बावजूद उसे मौके पर पकड़ा नहीं जा सका।

वाहन क्रमांक [illegible]4039 की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें से विदेशी मदिरा बैगपाइपर डीलक्स व्हिस्की की 70 पेटियां (604.8 बल्क लीटर) तथा माउंट 6000 सुपर स्ट्रांग बियर कैन की 25 पेटियां (300 बल्क लीटर) बरामद हुईं। इस प्रकार कुल 95 पेटियों में 904.8 बल्क लीटर अवैध मदिरा जप्त की गई।

मौके पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क), 34(2), 36 एवं 46 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। कार्रवाई की नवीन विधिक प्रावधानों के अनुसार वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी भी कराई गई।

जप्त की गई मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य 6 लाख 56 हजार 760 रुपये तथा वाहन का अनुमानित मूल्य 8 लाख रुपये है। इस प्रकार जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित मूल्य 14 लाख 56 हजार 760 रुपये है। यह कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक श्री प्रेमसिंह परमार द्वारा की गई।

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक श्री योगेश कुमार दामा, मुख्य आरक्षक श्री कांतु डामोर, आरक्षक श्री कुंवर सिंह डावर, श्री पंकज डोडियार, श्री लालचंद गेहलोत तथा वाहन चालक श्री लोकेंद्र बर्मन एवं श्री दयाल मड़ोडिया का उल्लेखनीय योगदान रहा। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के परिवहन, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

चार ट्रेनें निरस्त, आठ शार्ट टर्मिनेट और 10 गाड़ियों का बदला मार्ग

इंदौर। पश्चिम रेलेवे के रतलाम मंडल के इंदौर-देवास-उज्जैन खंड में लक्ष्मीबाई नगर यार्ड के फेज-टू रीमॉडलिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें निरस्त, शार्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट एवं परिवर्तित मार्ग से चलेगीं। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार इसके कारण कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

निरस्त होने वाली ट्रेनें में 11 जून को

उज्जैन से चलने वाली ट्रेन उज्जैन-इंदौर पैसेंजर निरस्त रहेगी

इंदौर से चलने वाली ट्रेन इंदौर-उज्जैन पैसेंजर निरस्त रहेगी

उज्जैन से चलने वाली ट्रेन उज्जैन-इंदौर पैसेंजर निरस्त रहेगी

इंदौर से चलने वाली ट्रेन इंदौर-उज्जैन पैसेंजर निरस्त रहेगी

शार्ट टर्मिनेट/शार्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें 11 जून को- रतलाम से चलने वाली ट्रेन रतलाम-डा. अंबेडकर नगर (महू) डेमू लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होंगी। लक्ष्मीबाई नगर-डा.अंबेडकर नगर के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

डा. अंबेडकर नगर से चलने वाली ट्रेन डा. अंबेडकर नगर-रतलाम डेमू, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट होंगी। डा. अंबेडकर नगर-लक्ष्मीबाई नगर के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

रतलाम से चलने वाली ट्रेन रतलाम-डा. अंबेडकर नगर डेमू, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होंगी। लक्ष्मीबाई नगर-डा. अंबेडकर नगर के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

डा. अंबेडकर नगर से चलने वाली ट्रेन डा. अंबेडकर नगर-रतलाम डेमू, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट होंगी। डा. अंबेडकर नगर-लक्ष्मीबाई नगर के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

रतलाम से चलने वाली ट्रेन रतलाम-डा. अंबेडकर नगर डेमू, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होंगी। लक्ष्मीबाई नगर-डा. अंबेडकर नगर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

डा. अंबेडकर नगर से चलने वाली ट्रेन डा. अंबेडकर नगर-रतलाम डेमू, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट होंगी। डा. अंबेडकर नगर-लक्ष्मीबाई नगर के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेंगी।

रतलाम से चलने वाली ट्रेन रतलाम-डा. अंबेडकर नगर डेमू, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होंगी। लक्ष्मीबाई नगर-डा. अंबेडकर नगर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

डा. अंबेडकर नगर से चलने वाली ट्रेन डा. अंबेडकर नगर-रतलाम डेमू, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट होंगी। डा. अंबेडकर नगर-लक्ष्मीबाई नगर के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें नौ जून को- रामेश्वरम से चलने वाली ट्रेन रामेश्वरम-फिरोजपुर कैंट हमसफर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया मक्सी-उज्जैन-फतेहाबाद-रतलाम चलेगी। ट्रेन देवास, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन नहीं जाएगी।

रतलाम से चलने वाली ट्रेन रतलाम-ग्वालियर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रतलाम-फतेहाबाद-उज्जैन चलेगी। ट्रेन इंदौर एवं देवास स्टेशन पर नहीं जाएगी।

भिंड से चलने वाली ट्रेन भिंड-रतलाम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उज्जैन-फतेहाबाद-रतलाम चलेगी। ट्रेन इंदौर एवं देवास स्टेशन पर नहीं जाएगी।

इंदौर से चलने वाली ट्रेन इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया इंदौर, लक्ष्मीबाई नगर-देवास-उज्जैन चलेगी।

नागपुर से चलने वाली ट्रेन नागपुर-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उज्जैन-देवास-लक्ष्मीबाई नगर-इंदौर चलेगी।

प्रयागराज से चलने वाली ट्रेन प्रयागराज-डा. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उज्जैन-देवास-लक्ष्मीबाई नगर-इंदौर चलेगी।

डा. अंबेडकर नगर से चलने वाली ट्रेन डा. अंबेडकर नगर-प्रयागराज एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया इंदौर-लक्ष्मीबाई नगर-देवास-उज्जैन चलेगी।

इंदौर से चलने वाली ट्रेन इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया इंदौर-लक्ष्मीबाई नगर-देवास-उज्जैन-फतेहाबाद-रतलाम चलेगी।

उद्यानिकी का रकबा बढ़ाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित करें – कृषि उत्पादन आयुक्त श्री वर्णवाल

इन्दौर। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में इंदौर के एआईसीटीएसएल सभाकक्ष में सोमवार को रबी 2025-26 की समीक्षा एवं खरीफ- 2026 की तैयारी हेतु इंदौर संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े, प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी.पी. आहूजा, उद्यानिकी विभाग के सचिव श्री जान किंग्स ली, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, इंदौर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, उद्यानिकी संचालक श्री अरविंद दुबे सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने कृषि , उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सहकारिता एवं अन्य संबंधित संस्थाओं की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों के संबंध में समीक्षा की। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर्स ने अपने-अपने जिलों में कृषि क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों के बारें में बताया।

बैठक में आयुक्त श्री वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे योजना बनाकर निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ति करें। अधिकारी मैदानी स्तर पर जाकर भौतिक सत्यापन के साथ इसकी मॉनिटरिंग भी करें। राज्य शासन की समस्त योजनाओं का लाभ हितग्राही किसानों को मिले और कोई भी इससे वंचित नहीं रहें। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। किसानों के द्वारा उत्पादित फसल का भुगतान समय सीमा में सुनिश्चित किया जाये।

बैठक में आयुक्त श्री वर्णवाल ने कहा कि अधिकारी किसानों से आग्रह करें कि उद्यानिकी में अपार संभावनाएं हैं, अतः किसानों के बीच जाकर उद्यानिकी का रकबा अधिक बढ़ाने के लिये उन्हें प्रोत्साहित करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार कम मूल्य की फसलों के बजाय अधिक मूल्य वाली फसलों का उत्पादन अधिक करें। कृषि उत्पादन में वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकों का प्रयोग करें और नवाचार को अधिक से अधिक बढ़ावा दें। अधिकारी किसानों को फसल उत्पादन के लिए समय पर बीज, उर्वरक आदि उपलब्ध करायें। खेतों में बीटी कॉटन के साथ अन्य कपास की प्रजातियों का भी उत्पादन करें, जिससे कीटों की समस्या कम होगी। सोयाबीन फसल के विकल्प के रूप में अरहर पूसा-16 को लगाकर उत्पादन बढ़ाया जायें। फसल उत्पादन के लिए किसान डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का इस्तेमाल करें। किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए मिट्टी परीक्षण करने के लिए प्रेरित करें। बेहतर मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला बनायें। किसानों की सुविधा के लिए सभी जिलों में खाद वितरण केन्द्र बनायें जायें। किसानों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए भण्डारण केन्द्र पर पर्याप्त विश्राम शेड की व्यवस्था की जायें।

उन्होंने कहा कि संभाग में कोई भी किसान नरवाई (फसल अवशेष) नहीं जलायें, इससे पर्यावरण को नुकसान होता है। नरवाई जलाने वाले किसानों के विरूद्ध पंचनामे और अर्थदण्ड की कार्रवाई में तेजी लायें। ई-मण्डी में भुगतान प्राप्त करने वाले किसानों को अधिक समय लग रहा है, उस पर ध्यान दिया जायें। यह प्रयास करें कि किसानों को ई-मण्डी में अपने भुगतान के लिए अधिक समय नहीं लगें।

श्री वर्णवाल ने कहा कि संभाग के सभी कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत संभाग में अधिक से अधिक पौधारोपण करायें।

हर ग्राम में बनेगी एक लखपति गोपालक दीदी, पशुपालन और मत्स्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर दिया जायेगा विशेष ध्यान

इन्दौर। प्रदेश में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार बनाने के उद्देश्य से कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में पशुपालन, डेयरी एवं मछुआ कल्याण विभाग की संयुक्त संभागीय समीक्षा बैठक इंदौर में आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव, सचिव मत्स्य पालन श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुपालन को केवल सहायक व्यवसाय न मानकर ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक ग्राम में कम से कम एक ÷लखपति गोपालक दीदी÷ तैयार करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाए। महिला स्व-सहायता समूहों को पशुपालन गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जाएं, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके।

उन्होंने क्षीरधारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से गांवों में दुग्ध उत्पादन और दुग्ध व्यवसाय को संगठित स्वरूप प्रदान किया जाए। दुग्ध उत्पादकों को आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक पशुपालन और बेहतर विपणन सुविधाओं से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। श्री वर्णवाल ने हिरण्यगर्भ नस्ल सुधार अभियान को परिणाममूलक ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उन्नत नस्ल के पशुओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर नस्ल सुधार कार्यक्रम चलाए जाएं। कृत्रिम गर्भाधान और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाकर पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। बैठक में उन्होंने कहा कि पशुपालकों को संतुलित एवं पौष्टिक पशु आहार की जानकारी और उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। संतुलित आहार से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु पोषण संबंधी जागरूकता अभियान भी चलाए जाएं। बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव ने प्रदेश को उन्नत नस्ल के पशुओं के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता वाली नस्ल के पशुओं के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। यदि प्रदेश में ही उन्नत नस्ल के पशुओं का पर्याप्त उत्पादन होगा तो पशुपालकों को कम लागत पर स्थानीय स्तर पर बेहतर नस्ल के पशु उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। बैठक में ब्रीडर संघों के गठन पर भी चर्चा हुई।

अचानक जॉब और रिश्तों से होने लगी है घुटन? कहीं ये मिड लाइफ क्राइसिस का अलार्म तो नहीं!

40 से 60 की उम्र मिड लाइफ की कैटेगरी में आती है। यह पड़ाव ज्यादा ग्रोथ, स्थिरता और खुशी का माना जाता है, लेकिन बढ़ती उम्र के साथ कुछ लोगों में तनाव और डिप्रेशन का भाव भी आने लगता है। इस उम्र तक आते-आते काफी लोग अपनी ही आइडेंटिटी, लाइफ चॉयसेस पर विचार करने लगते हैं।

मिड लाइफ में हर इंसान ही ऐसा महसूस करे जरूरी नहीं, लेकिन काफी बड़ी संख्या में लोग मिड लाइफ क्राइसिस से गुजर रहे होते हैं। इस आर्टिकल में हम इसके लक्षणों, कारणों और इससे बचने के तरीकों के बारे में जानेंगे।

गहरी उदासी और पछतावा:- रिश्तों में या फिर करियर में छूट गए मौकों के बारे में सोचते रहते हैं और आज से फोकस हट जाता है। इससे जिंदगी में मौजूद अच्छी चीजें भी नजर आना बंद हो जाती हैं।

बेचैनी और बोरियत:- रोजाना एक ही तरह की जिंदगी जीते-जीते थकान और बोरियत होने लगती है, चाहे काम का शेड्यूल हो या फिर कोई और जिम्मेदारी। यह विचार आने लगता है कि काश जीवन में यह रास्ता ना चुना होता तो आज जिंदगी कुछ और ही होती।

चिड़चिड़ाहट:- ऐसा लगने लगता है कि पहले लिए गए फैसलों ने आपको सीमा में बांध दिया है और यह सोचकर ही अचानक गुस्सा आने लगता है। इससे अपने पार्टनर, बूढ़े होते मां-बाप या करीबी दोस्तों से भी चिढ़ होने लगती है।

पुरानी बातें याद आती हैं:- अपनी पुरानी जिंदगी को ज्यादा बेहतर मानने लगते हैं जैसे आप कॉलेज में कितने अच्छे खिलाड़ी, आर्टिस्ट हुआ करते थे। ऐसा करते हुए मौजूदा जिंदगी की पॉजिटिव चीजों को भी नजरअंदाज करने लगते हैं।

बुरी आदतों का सहारा:- इस स्थिति से भागने के लिए कई लोग जरूरत से ज्यादा शॉपिंग करने लगते हैं, कुछ अल्कोहल का सहारा लेते हैं या फिर ओवरईटिंग करने लगते हैं।

सेक्शुअल डिजायर में बदलाव:- कुछ लोगों में सेक्शुअल डिजायर बढ़ जाती है तो कुछ में कम हो जाती है। कई लोग अपने मौजूदा पार्टनर को चुनने को लेकर भी शक करने लगते हैं और उन्हें अपने से कम उम्र के पार्टनर के साथ डेट करने के ख्याल आने लगते हैं।

क्या होते हैं कारण

उम्र बढ़ने के साथ काफी सारे फिजिकल चेंजेस मिड लाइफ क्राइसिस का कारण बन सकते हैं।

इस उम्र में काफी लोगों के बच्चे अपनी पढ़ाई या नौकरी की वजह से उनसे दूर चले जाते हैं और पेरेंट्स को एम्प्टी नेस्ट सिंड्रोम का अनुभव होता है।

काफी लोग मिड लाइफ में अपना करियर भी बदलते हैं और एक नई जिंदगी से तालमेल बिठाने की भागदौड़ में लग जाते हैं।

फाइनेंशियल प्रेशर भी एक बड़ी वजह हो सकती है।

अगर किसी का बचपन अच्छा ना रहा हो तो एडल्टहुड में इसके परिणाम नजर आने लगते हैं

इस तरह मिल सकती है मदद

कुछ नया सीखने की कोशिश करें

ज्यादा से ज्यादा एक्टिव रहें

कम्युनिटी में शामिल हों और अपने जीवन का एक परपस बनाएं

बढ़ती उम्र को कमी के रूप में नहीं, बल्कि एसेट के रूप में देखें

डाइट में बदलाव करें जोकि आपकी बढ़ती उम्र में सपोर्ट करे

अपनी नींद पूरी करें

अपने दोस्तों के साथ बात करें और उनके कॉन्टेक्ट में रहें

रात में खाया भारी खाना शरीर में बन रहा है जहर? जानें खाने के टाइम और डाइजेशन का पूरा साइंस

आपको भी यह सुनकर हैरानी होती होगी कि एक ही तरह की कैलोरी लेने का असर सुबह और शाम अलग कैसे हो सकता है?? सुबह जहां हैवी नाश्ता खाने की सलाह दी जाती है, वहीं रात को दलिया या खिचड़ी जैसा लाइट भोजन करने की। आखिर ऐसा क्यों है कि कैलोरी में एक समान होने के बावजूद खाने का समय उसे पचना आसान या कठिन बना देता है।

आपका शरीर भी चलता है घड़ी की टिक-टिक पर- सुबह के समय आपके शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है और दिन ढलते ही इसकी स्पीड कम होने लगती है। इसलिए सुबह कुछ भी हैवी खा लेने के बावजूद वह आसानी से पच जाता है और हॉर्मोन्स बैलेंस रहते हैं। रात में ऐसा करने पर स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से कैलोरी भी धीरे-धीरे बर्न होती है।

इंसुलिन सेंसिटिविटी भी सुबह होती है ज्यादा- यह एक हॉर्मोन है, जोकि शरीर में कार्बोहाइड्रेट से ग्लूकोज को एनर्जी में तब्दील कर देता है या स्टोर कर देता है। सुबह के समय आपके सेल्स भी इंसुलिन को लेकर ज्यादा सक्रिय तरीके से रिस्पॉन्स करते हैं, जिसकी वजह से ग्लूकोज ज्यादा अच्छी तरह अब्जॉर्ब और यूज होता है। वहीं शाम को यह प्रक्रिया धीमी हो जाती है और यह ग्लूकोज फैट के रूप में स्टोर होने लगता है। ऐसा होने से डायबिटीज या मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है।

ओवरईटिंग करते हैं- घ्रेलिन और लेप्टिन दो ऐसे हॉर्मोन हैं जो आपके ब्रेन को भूख लगने का संकेत देते हैं। अगर सुबह आपने नाश्ता नहीं किया तो इसका बैलेंस बिगड़ सकता है। इस वजह से लेट नाइट ओवरईटिंग का भी खतरा बढ़ सकता है। इसलिए, सुबह के समय हैवी नाश्ता करने वालों को दिनभर भूख का एहसास कम होता है।

5 महत्वपूर्ण फैक्ट्स, जिससे फीफा वर्ल्ड कप 2026 बनेगा सबसे स्पेशल और यादगार; फैंस के लिए जानना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 बेहद खास होने वाला है। इस बार का विश्व कप ऐतिहासिक होने वाला है क्योंकि इसमें पहली बार 48 टीमें खेलती हुई दिखाई देंगी। ये वर्ल्ड कप फैंस के लिए भी खास होगा। विश्व कप की शुरुआत 12 जून से होने वाली है और इसका फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को खेला जाएगा।

ये वर्ल्ड कप तीन देशों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको शामिल हैं। ऐसा पहली बार होगा, जब फीफी विश्व कप तीन देशों की मेजबानी में खेला जाएगा। आइए बताते हैं ऐसे पांच फैक्ट्स जो आपके लिए जानना जरूरी है।

1. पहली बार 48 टीमों होंगी शामिल- यह विश्व कप 48 देशों की टीमों के साथ खेला जाएगा। इससे पहले कतर 2022 में सिर्फ 32 टीमें थीं। अब 12 ग्रुप बनाए गए हैं, हर ग्रुप में 4 टीमें होंगी। कुल मैच 64 से बढ़कर 104 हो गए हैं। ये टूर्नामेंट भी लंबा चलेगा और 39 दिनों तक खेला जाएगा। इस बदलाव से अफ्रीका, एशिया और कनाडा-मैक्सिको-अमेरिका क्षेत्र की ज्यादा टीमों को मौका मिला है। फीफा का लक्ष्य है कि विश्व कप और भी वैश्विक बने और इसी को ध्यान में रखते हुए फीफा ने 48 टीमों को शामिल कर लिया है।

2. तीन देश पहली बार संयुक्त मेजबान- फीफा विश्व कप 2026 को तीन देश अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको मिलकर होस्ट करेंगे। पुरुष विश्व कप में यह पहली बार हो रहा है, जब तीन देश मेजबानी साझा कर रहे हैं। कुल 16 शहर मैचों की मेजबानी करेंगे, जिनमें वैंकूवर से लेकर मैक्सिको सिटी और मियामी तक शामिल हैं। अमेरिका सबसे ज्यादा मैच कराएगा, खासकर क्वार्टर फाइनल से आगे के सभी नॉकआउट मैच उसी के स्टेडियमों में होंगे।

3. एज्टेका स्टेडियम बनेगा ऐतिहासिक- मैक्सिको सिटी का प्रसिद्ध एज्टेका स्टेडियम तीन अलग-अलग विश्व कप में मैच होस्ट करने वाला पहला स्टेडियम बनेगा। यहां 1970 और 1986 में भी मैच हुए थे। 2026 में टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच भी यहीं खेला जाएगा। इस स्टेडियम में पेले की ब्राजील (1970) और माराडोना की अर्जेंटीना (1986) ने विश्व कप फाइनल जीते थे। पेले की याद में स्टेडियम के बाहर हाल ही में उनकी बड़ी प्रतिमा भी लगाई गई है।

4. गर्मी होगी खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए चुनौती- जून-जुलाई में उत्तर अमेरिका के कई शहरों में गर्मी और नमी बहुत ज्यादा होती है। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग एक चौथाई मैच ऐसे मौसम में खेले जा सकते हैं जो खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। मियामी, कैनसस सिटी और फिलाडेल्फिया जैसे शहरों में यह समस्या ज्यादा हो सकती है।

फीफा कूलिंग ब्रेक और अन्य सुरक्षा उपायों पर विचार कर रहा है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ये ब्रेक काफी छोटे हैं।

5. मनोरंजन पर खास फोकस, सुपर बाउल स्टाइल शो- इस बार विश्व कप को और ज्यादा रोचक और मनोरंजक बनाने की कोशिश की जा रही है। फाइनल मैच न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में होगा। फीफा फाइनल के हाफ टाइम में एक बड़ा म्यूजिकल परफॉर्मेंस आयोजित करने की योजना बना रहा है, जैसा अमेरिका के सुपर बाउल में होता है।

मोहम्मद सिराज आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज से हटे, BCCI ने क्या वजह बताई? प्रसिद्ध कृष्णा भारतीय स्क्वॉड में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। सिराज का वर्कलोड मैनेज करने की वजह से यह फैसला किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को बताया कि सिराज को एहतियात के तौर पर टीम से हटाने का निर्णय किया गया। उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है।

32 वर्षीय सिराज की जगह पेसर प्रसिद्ध कृष्णा को भारत के टी20 स्क्वॉड में शामिल किया गया है। सिराज और प्रसिद्ध ने आईपीएल 2026 के बाद हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेला, जिसमें भारत ने पारी और 300 रनों से जीत दर्ज की। भारत को 26 जून से आयरलैंड में दो मैच जबकि एक जुलाई से इंग्लैंड में पांच मैचों की T20I सीरीज खेलनी है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए भारतीय टी20 टीम से हटा दिया गया है। मेडिकल टीम और टीम मैनेजमेंट के बीच बातचीत के बाद सिराज को उनके वर्कलोड मैनेजमेंट प्रोग्राम के तहत आराम करने की सलाह दी गई है। यह फैसला एक लंबे इंटरनेशनल सीजन से पहले पूरी तरह रिकवर होने के लिए सावधानी के तौर पर लिया गया है। पुरुषों की सिलेक्शन कमेटी ने दोनों सीरीज के लिए सिराज की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को चुना है। श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, ईशान किशन (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा। आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की अगुवाई में खेलेगी। बीसीसीआई ने हाल ही में सूर्यकुमार यादव की जगह अय्यर को कप्तान नियुक्त किया। सूर्या के नेतृत्व में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीता था।

अय्यर दिसंबर 2023 के बाद पहली बार T20I मैच में उतरेंगे। भारतीय टीम की घोषणा करने के बाद चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा था, श्रेयस के बारे में बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में हमने देखा है कि उन्होंने विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों का नेतृत्व करते हुए किस प्रकार का प्रदर्शन किया है।

वैभव सूर्यवंशी की सफलता यह दिखाती है कि अब आधुनिक क्रिकेट में गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं बचा है- ग्रेग चैपल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल ने हाल ही में अपने एक कॉलम में उभरती हुई प्रतिभा की एक तरफ तारीफ की है, वहीं दूसरी तरफ गेंदबाजों के लिए क्रिकेट में कुछ ना बचे होने और बल्लेबाजों के हितों में खेल को बनाए जाने पर चिंता भी जाहिर की है। चैपल ने कहा वैभव सूर्यवंशी की प्रतिभा का जश्न मनाने के कई कारण हैं, लेकिन साथ ही यह भी देखना जरूरी है कि इस युवा खिलाड़ी द्वारा कुछ सबसे कुशल गेंदबाजों को आसानी से चौके- छक्के लगाना क्रिकेट चिंताजनक दिशा को भी उजागर करता है। सर्वकालिक महानतम बल्लेबाजों में गिने जाने वाले और 2005 से 2007 तक भारत के मुख्य कोच रहे चैपल ने कहा कि सूर्यवंशी की सफलता यह दर्शाती है कि आधुनिक क्रिकेट को गेंदबाजी को विलुप्त करने के लिए तैयार किया गया है।

चैपल ने स्वीकार किया कि वे सूर्यवंशी से बेहद प्रभावित हैं और उन्होंने इस युवा खिलाड़ी की तुलना खेल के कुछ महान खिलाड़ियों से की। चैपल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में कहा- उनके डाउनस्विंग और बैटिंग करते वक्त संतुलन में महान ग्रीम पोलॉक और सर गारफील्ड सोबर्स की झलक साफ दिखाई देती है। जब वे लाइन के पार शॉट लगाते हैं या एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से गेंद मारते हैं, तो ब्रायन लारा की प्रतिभा और एडम गिलक्रिस्ट के पहले ही गेंद पर आक्रामक इरादे का मिश्रण नजर आता है।

यह मौजूदा समय में आक्रामकता के साथ प्रयोग की जा रही एक क्लासिक, शुद्ध तकनीक है, जो साबित करती है कि उनकी प्रतिभा खेल के लिए एक दुर्लभ उपहार है।

क्रिश्चियन एरिक्सन के साथ मैदान पर फिर हुआ खौफनाक हादसा, डॉक्टरों ने बताया अब कैसा है हाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेनमार्क और यूक्रेन के बीच एक दोस्ताना मैच खेला जा रहा है। इस दौरान मैदान पर अचानक सन्नाटा फैल गया, जब डेनमार्क के मिडफील्डर क्रिश्चियन एरिक्सन अपना सीना पकड़कर मैदान पर गिर गए। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी चिंतित हो गए। दोनों टीमों के प्लेयर्स तुरंत एरिक्सन के आसपास एकत्रित हो गए।

खिलाड़ियों के अलावा मेडिकल स्टाफ की टीम भी मैदान पर पहुंच गई। लगभग 10 मिनट के बाद एरिक्शन होश में आ गए और वे खुद चलकर मैदान से बाहर गए। वे पैदल ही एंबुलेंस तक गए और ये देखने के बाद हर किसी ने राहत की सांस ली। डेनमार्क की राष्ट्रीय टीम के डॉक्टर मोर्टेन बोएसन ने बताया कि क्रिश्चियन एरिक्सन होश में हैं और वे ठीक हैं। मैच को सुरक्षा के मद्देनजर रद्द कर दिया गया। डॉक्टर ने आगे बताया कि एरिक्सन थोड़ी देर के लिए बेहोश हुए थे, लेकिन बहुत जल्दी होश में आ गए। 2021 की पुरानी घटना याद आई

यह पहली बार नहीं है जब एरिक्सन मैदान पर गिरे हों। साल 2021 में यूरो कप के दौरान फिनलैंड के खिलाफ मैच में भी वे अचानक गिर पड़े थे। उस समय उनकी हृदय गति रुक गई थी। टीम के साथी साइमन क्यार ने तुरंत उनकी मदद की और पैरामेडिक्स ने डिफिब्रिलेटर से उन्हें बचाया। बाद में उनके दिल में पेसमेकर लगाया गया था। डॉक्टर बोएसन का मानना है कि रविवार को जो घटना हुई, उसमें शायद पेसमेकर सक्रिय हुआ हो।

एरिक्सन को ठीक होने के बाद मिली शुभकामनाएं- एरिक्सन के गिरने की खबर फैली और उसके बाद जब वे ठीक हुए तो उनके पुराने और मौजूदा क्लबों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। यूईएफए ने भी डेनमार्क के बयान को शेयर करते हुए लिखा कि क्रिश्चियन ठीक हैं, उन्हें शुभकामनाएं। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने कहा, हम डेनमार्क के अपडेट से खुश हैं। एरिक्सन परिवार को ताकत और प्यार भेज रहे हैं।

टोटनहम ने लिखा, हमारे विचार क्रिश्चियन और उनके परिवार के साथ हैं। जल्दी से पूरी तरह ठीक हो जाओ। वर्तमान क्लब वोल्फ्सबर्ग ने भी हरे दिल का इमोजी देते हुए उन्हें तेजी से ठीक होने की कामना की। क्रिश्चियन एरिक्सन फुटबॉल जगत के लोकप्रिय खिलाड़ी हैं।

उनकी यह घटना देखकर हर कोई चिंतित हो गया, लेकिन खुद उठकर चलने और होश में होने की खबर ने सबको राहत दी है।

उम्र के साथ कमजोर नहीं, बल्कि और स्मार्ट होता है आपका दिमाग! इस तरीके से बनाता है खुद को तेज

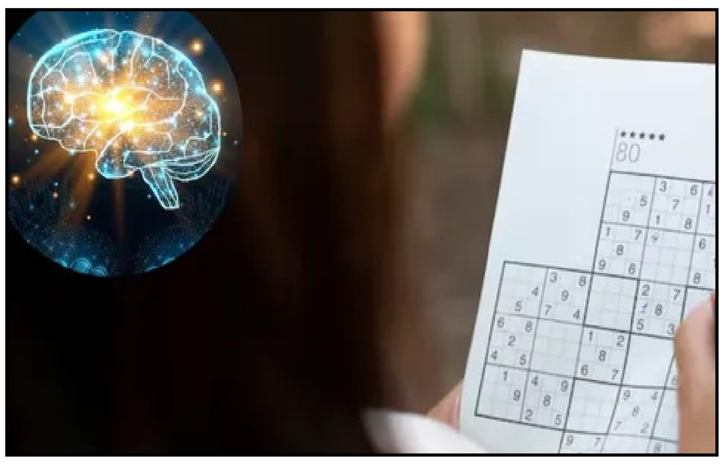

अक्सर यह माना जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर और दिमाग दोनों थकने लगते हैं, लेकिन विज्ञान की दुनिया से एक बेहद दिलचस्प और सकारात्मक खबर आई है। हाल ही में हुए एक शोध ने इस धारणा को चुनौती दी है कि समय के साथ दिमाग केवल कमजोर होता है।

शोध के अनुसार, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारे दिमाग का याददाश्त केंद्र यानी हिप्पोकैंपस पहले से कहीं ज्यादा ऑर्गेनाइज्ड और एफिशिएंट हो जाता है।

क्या है हिप्पोकैंपस और इसका काम- हिप्पोकैंपस दिमाग का वह अहम हिस्सा है जिसे यादों का केंद्र कहा जाता है। इसका मुख्य फंक्शन शॉर्ट टर्म मेमोरी को लॉन्ग टर्म मेमोरी में बदलना है। यही वह हिस्सा है जो हमें नई जगह पहचानने, अनुभवों को सहेजने और उनसे सीखने में मदद करता है। इसके बिना हमारे लिए किसी भी अनुभव को याद रखना नामुमकिन होगा।

शोध में क्या आया सामने- नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में पब्लिश इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने चूहों के दिमाग के विकास का तीन चरणों में अध्ययन किया- जन्म के तुरंत बाद, किशोरावस्था और वयस्क होने पर। शोधकर्ताओं ने पाया कि हिप्पोकैंपस में मौजूद न्यूरॉन नेटवर्क, जिन्हें सीए 3 पिरामिडल न्यूरॉन्स कहा जाता है, समय के साथ एक खास बदलाव से गुजरते हैं।शुरुआत में, ये नेटवर्क न्यूरॉन कनेक्शन से पूरी तरह भरे होते हैं और देखने में काफी उलझे हुए या रैंडम लगते हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, ये नेटवर्क कम घने होते जाते हैं।

प्रूनिंग मॉडल- कम न्यूरॉन्स में ज्यादा कुशलता- मुख्य शोधकर्ता पीटर जोनास के अनुसार, आमतौर पर लोग उम्मीद करते हैं कि विकास के साथ नेटवर्क ज्यादा घना और बड़ा होगा। लेकिन यहां बिल्कुल उल्टा देखने को मिला। इसे प्रूनिंग मॉडल कहा जाता है।

जिस तरह एक माली किसी पौधे को सुंदर और स्वस्थ बनाने के लिए उसकी फालतू टहनियों की काट-छांट करता है, ठीक उसी तरह हमारा दिमाग भी बढ़ती उम्र के साथ अपने न्यूरल कनेक्शन की काट-छांट करता है। यह प्रक्रिया नेटवर्क को कम घना लेकिन ज्यादा व्यवस्थित बनाती है। इसका नतीजा यह होता है कि दिमाग सूचनाओं को ज्यादा बेहतर तरीके से प्रोसेस करने लगता है।

सारे फैसले मैं लेता हूं, वह कुछ नहीं कर सकते; ट्रंप ने नेतन्याहू को दी ईरान पर जवाबी कार्रवाई न करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच एक तनावपूर्ण बातचीत हुई है। ट्रंप ने नेतन्याहू को ईरान के मिसाइल हमलों का तुरंत जवाब न देने और तेहरान के साथ चल रही अमेरिकी वार्ता को समय देने के लिए राजी किया है।

हालांकि नेतन्याहू ने शुरुआत में इसका विरोध किया, लेकिन अंततः उन्होंने इस पर अपनी छद्म सहमति दे दी। यह बातचीत ऐसे समय में सामने आई है, जब दोनों नेताओं के बीच संबंध बेहद तल्ख होने और ट्रंप द्वारा नेतन्याहू को कथित तौर पर पागल कहे जाने की चर्चाएं गर्म हैं। एक्सियोस ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने एक इजरायली सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान के मिसाइल प्रक्षेपण का जवाब न देने और बातचीत के लिए अधिक समय देने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि फोन पर हुई बातचीत के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू को इंतजार करने की सलाह दी। ट्रंप का कहना है कि हम समझौते के मामले में कुछ अच्छा करने के करीब हैं।

ट्रंप ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि नेतन्याहू के पास ईरान के साथ वार्ता में अमेरिका द्वारा हासिल किए गए किसी भी समझौते को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। ट्रंप ने नेतन्याहू के बारे में कहा, मैं ही सब कुछ तय करता हूं। सारे फैसले मैं ही लेता हूं। वह कुछ नहीं कर सकते।

ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, कोई जानकारी दिए बिना, इजराइल और ईरान को तुरंत गोलीबारी बंद करनी चाहिए। इजरायल की प्रतिक्रिया को सीमित करने का ट्रंप का प्रयास इस बात का संकेत है कि वह इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण तेहरान के साथ चल रही अमेरिकी वार्ता को पटरी से उतरने से रोकना चाहता हैं। गौरतलब है कि ईरान द्वारा पूरी रात इजरायल पर मिसाइलें दागे जाने और इजरायल द्वारा ईरान में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करके जवाबी कार्रवाई की गई, जिसके बाद एक नए बड़े पैमाने पर संघर्ष की आशंकाएं बढ़ गईं।

दुबई में मिनीबस और ट्रक की टक्कर, 7 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में कई भारतीय मजदूरों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब मजदूरों को ले जा रही एक मिनीबस सड़क के बीचों-बीच खराब होकर खड़े एक ट्रक से पीछे से जा टकराई।

दुबई पुलिस के जनरल डिपार्टमेंट ऑफ ट्रैफिक के निदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि तकनीकी खराबी के कारण ट्रक एमिरेट्स रोड पर अचानक बीच सड़क में रुक गया था। इसी दौरान बस चालक कथित तौर पर सुरक्षित दूरी बनाए रखने और ध्यान देने में विफल रहा, जिससे मिनीबस ट्रक से जा भिड़ी।

इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत गंभीर और चार की हालत मध्यम बताई जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हादसे पर गहरा दुख जताया है।

वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटा है। भारतीय अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल भारतीयों से भी मुलाकात की। दुबई पुलिस के अनुसार, ट्रैफिक एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन सेक्शन की टीम को मौके पर भेजा गया है, जो हादसे के सटीक कारणों की जांच कर रही है। वहीं, ट्रैफिक पुलिस ने यातायात को नियंत्रित कर राहत एवं बचाव कार्यों में सहायता की।

मिडिल ईस्ट युद्ध का 101वां दिनः ईरान-इजरायल ने एक दूसरे पर किए हमले, ट्रंप ने की सीजफायर की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव के 101वें दिन पश्चिम एशिया में एक बार फिर हालात गंभीर हो गए।

लेबनान की राजधानी बेरूत में इजरायली सैन्य कार्रवाई जारी रहने पर ईरान ने इजरायल पर करीब 30 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके जवाब में इजरायल ने भी ईरान के कई ठिकानों पर हवाई और मिसाइल हमले किए।

दोनों देशों की कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया और तेल बाजार में भी हलचल देखी गई। ईरानी हमलों के बाद इजरायल के कई हिस्सों में सायरन बजने लगे और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

वहीं इजरायल ने दावा किया कि उसने ईरान की वायु रक्षा प्रणाली को भारी नुकसान पहुंचाया है और एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र को भी निशाना बनाया है।

ट्रंप ने ईरान-इजरायल से की हमला रोकने की अपील

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की अपील के बाद दोनों पक्षों ने हमले रोकने की घोषणा की। हालांकि ईरान ने चेतावनी दी कि यदि दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला को फिर निशाना बनाया गया तो वह चुप नहीं बैठेगा।

दूसरी ओर, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आगे की रणनीति पर विचार के लिए उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। तनाव बढ़ने की आशंका के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब पांच प्रतिशत तक उछाल दर्ज किया गया।

लेबनान में कार्रवाई बनी टकराव की वजहरायटर के अनुसार, इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम के बावजूद दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैन्य कार्रवाई जारी थी।

ईरान लगातार इसका विरोध कर रहा था और उसने कई बार चेतावनी भी दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी फोन पर नेतन्याहू से बातचीत कर लेबनान में सैन्य कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई थी।

इसके बावजूद इजरायली अभियान जारी रहने पर ईरान ने रविवार देर शाम उत्तरी इजरायल स्थित रमत डेविड एयरबेस को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया। हालांकि इजरायल का दावा है कि मिसाइल वेस्ट बैंक क्षेत्र में गिरी।

नेवातिम और तेल नोफ एयरबेस को बनाया गया निशाना- ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आइआरजीसी) ने दावा किया कि नेवातिम और तेल नोफ एयरबेस को भी निशाना बनाया गया।

इसके अलावा हाइफा स्थित एक पेट्रोकेमिकल परिसर पर भी मिसाइल दागी गई। बाद में ईरानी सैन्य मुख्यालय ने हमले रोकने की घोषणा करते हुए कहा कि यदि लेबनान में इजरायली कार्रवाई जारी रही तो और कठोर कदम उठाए जाएंगे।

ओमान तट के पास जहाज पर हमला, 24 भारतीयों ने नौसेना से लगाई थी मदद की गुहार; सभी सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद खाली तेल टैंकर एमटी मारिवेक्स बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और जिसके बाद उसमे आग लग गई थी।

इस घटना में जहाज पर सवार 24 भारतीय नाविकों को ओमान के अधिकारियों की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया।

अमेरिकी सेना ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि पलाऊ ध्वज वाले जहाज एमटी मारिवेक्स ने ईरान के बंदरगाहों की ओर जाने की कोशिश कर ईरान के खिलाफ लगाई गई नाकाबंदी का उल्लंघन किया।

यूएसएस अब्राहम लिंकन से उड़ान भरने वाले एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट विमान ने जहाज के इंजीनियरिंग और स्टीयरिंग क्षेत्रों में सटीक गोलाबारी की।

अमेरिकी केंद्रीय कमान के अनुसार, चालक दल ने बार-बार दिए गए निर्देशों की अनदेखी की थी। हमले के बाद जहाज ईरान की ओर बढ़ना बंद कर चुका है।

एएनआई सूत्रों के मुताबिक भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी युद्धक विमान के हमले की बात को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने पुष्टि की कि सभी 24 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने ओमान के अधिकारियों को त्वरित सहायता के लिए धन्यवाद दिया।

जहाजरानी मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि यह जहाज भारतीय स्वामित्व वाला नहीं था और अमेरिकी नौसेना नियंत्रण एजेंसी द्वारा ब्लैकलिस्टेड था।

सूत्रों ने बताया कि जहाज ने हाल के दिनों में ट्रैकिंग सिग्नल बंद करने, ओमान के जलक्षेत्र में घुसने जैसे कई प्रयास किए थे।

8 जून को उसने फिर ओमान के समुद्री क्षेत्र का उपयोग कर नाकाबंदी भंग करने की कोशिश की और सिग्नल उपकरण बंद कर दिए। एक सूत्र ने कहा, इस तरीके से स्पष्ट होता है कि उसका इरादा नेक नहीं था।

घटना के समय जहाज खाली था। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने पहले ही 24 भारतीय नाविकों के लिए तत्काल सहायता की मांग की थी। घटना की जांच जारी है।

AI एजेंट की संख्या कर्मचारियों के बराबर..., TCS में काम करने के तरीके में होगा बड़ा बदलावः एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि टेक्नोलॉजी सर्विसेज इंडस्ट्री के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) खतरा नहीं, बल्कि एक बड़ा अवसर है। साथ ही कहा कि कंपनी की एआई से आय पिछली चार तिमाही से लगातार बढ़ रही है।

इस दौरान चक्रवृद्धि तिमाही वृद्धि दर (सीक्यूजीआर) में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पिछली तिमाही में सालाना आधार पर एआई से आय करीब 2.5 अरब डॉलर थी।

एआई एजेंट की संख्या कर्मचारियों के बराबर- टीसीएस की 31वीं सालाना आम बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगले तीन सालों में कंपनी में एआई एजेंट की संख्या कर्मचारियों के बराबर हो सकती है, जो टीसीएस में काम करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव होगा।

चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी अपने इतिहास का सबसे अहम काम कर रही है, क्योंकि एआई ग्लोबल टेक्नोलॉजी सर्विस इंडस्ट्री को बदल रहा है। चंद्रशेखरन के मुताबिक, एआई को अपनाने के कारण तीन-चौथाई कंपनियों को लगता है कि अगले दो वर्षों में टेक्नोलॉजी पर खर्च बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि निवेशकों की चिंताओं और हाल ही में पूरे आईटी सेक्टर पर बने दबाव के बावजूद, कंपनी के फंडामेंटल मजबूत बने हुए हैं; इसमें स्थिर मार्जिन, बढ़ती रेवेन्यू और मजबूत डील पाइपलाइन शामिल हैं।

उन्होंने समझाया, आज एआई मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर की दुनिया में मौजूद है, लेकिन जल्द ही यह असल दुनिया में भी अपनी जगह बना लेगा, जैसे स्टोर, फैक्ट्रियां, वेयरहाउस, एनर्जी नेटवर्क, गाड़ियां और सप्लाई चेन। इसके लिए ऐसे एक्सपर्ट्स की जरूरत होगी जो आईटी, एआई और फिजिकल इक्विपमेंट व इन्फ्रास्ट्रक्चर को आपस में जोड़ना जानते हों। आईटी सर्विस इंडस्ट्री में एआई के कारण नौकरियां जाने की चिंताओं पर बात करते हुए, उन्होंने माना कि एक अहम सवाल सामने आया है- अगर एआई ज्यादातर काम कर सकता है, तो उन सर्विस को देने के लिए बने सेक्टर का क्या होगा? हालांकि, उन्होंने कहा कि यह डर इस गलतफहमी पर आधारित है कि एआई एंटरप्राइज सिस्टम के साथ कैसे काम करेगा।

गोल्ड लोन का पूरा डेटा दो, सरकार ने क्यों और किस-किस से मांग ली ये जानकारी, क्या बदलने जा रहे सोने से जुड़े नियम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने में भारी गिरावट के बीच आने वाले महीनों में गोल्ड लोन, गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड इंपोर्ट-एक्सपोर्ट से जुड़े नियमों में अहम बदलाव देखने को मिल सकते हैं। देश में सोने के बढ़ते आयात और गोल्ड फाइनेंसिंग सिस्टम की समीक्षा के बीच केंद्र सरकार ने बैंकों से गोल्ड लोन और गोल्ड मेटल लोन से जुड़ी विस्तृत जानकारी मांगी है। वित्त मंत्रालय के इस कदम को सोने से जुड़े नियमों में संभावित बदलाव की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे 2023 से अब तक दिए गए गोल्ड मेटल लोन और लोन अगेंस्ट गोल्ड से जुड़ा पूरा डेटा उपलब्ध कराएं। इसमें लोन की मात्रा, ग्राहकों की संख्या, अंतरराष्ट्रीय गोल्ड सप्लायर्स, पोर्टफोलियो का आकार, गिरवी रखे गए सोने की मात्रा और उधारकर्ताओं की संख्या जैसी जानकारियां शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार, बैंकों को यह जानकारी जल्द उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारियों का मानना है कि सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया सोने से जुड़े वित्तीय उत्पादों की पूरी तस्वीर समझना चाहते हैं, जिसके बाद कुछ नीतिगत फैसले लिए जा सकते हैं।

भारी गिरावट के बाद सोने ने फिर पकड़ी रफ्तार, 1500 बढ़ी कीमत; चांदी कहां पहुंची?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कमजोर अमेरिकी डॉलर और सर्राफा बाजार में सुधरे निवेशक भरोसे के चलते सोने की कीमतों में मंगलवार को जोरदार उछाल देखने को मिला। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में सोना 1500 रुपए महंगा होकर फिर से 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच गया। वहीं चांदी के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ और यह अपने पिछले स्तर पर स्थिर रही।

बाजार के जानकारों के मुताबिक 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 1,500 रुपए की तेजी के साथ 1,60,300 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को इसका भाव 1,58,800 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

वैश्विक बाजार में गोल्ड में गिरावट जारी- दिलचस्प बात यह है कि घरेलू बाजार में तेजी ऐसे समय आई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में हल्की कमजोरी देखने को मिली। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर में गिरावट और निवेशकों की दोबारा बढ़ती दिलचस्पी ने भारतीय बाजार में सोने को समर्थन दिया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर कमोडिटी एनालिस्ट सौमिल गांधी ने कहा कि, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, डॉलर इंडेक्स में गिरावट और अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड कम होने से सोने को मजबूती मिली है।

चांदी की क्या है ताजा कीमत- वहीं चांदी की कीमत 2,55,700 रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी में हल्की बढ़त दर्ज की गई और इसका भाव 68.28 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि, ईरान और इजराइल के बीच हमले रोकने पर सहमति बनने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम समझौते की दिशा में प्रगति के संकेत देने से बाजार का माहौल बेहतर हुआ है। इससे ऊर्जा कीमतों से जुड़ी महंगाई की चिंताएं कुछ कम हुई हैं, जिसका फायदा कीमती धातुओं को मिला।

हालांकि सोने की तेजी अभी सीमित मानी जा रही है, क्योंकि निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति को लेकर सतर्क हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड हल्की गिरावट के साथ 4,326.78 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा।

अब बाजार की नजर अमेरिका के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स और प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स के आंकड़ों पर है, जो फेडरल रिजर्व की अगली ब्याज दर नीति का संकेत दे सकते हैं। इसके अलावा यूरोपीय सेंट्रल बैंक के फैसले पर भी निवेशकों की नजर बनी हुई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि डॉलर कमजोर बना रहता है और ब्याज दरों को लेकर नरम संकेत मिलते हैं, तो आने वाले दिनों में सोना और चांदी दोनों में नई तेजी देखने को मिल सकती है।

जेप्टो के फाउंडर को ईडी का समन, आईपीओ से पहले आदित पालिचा और कैवल्य वोहरा से मांगी गई ये जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो के आईपीओ ड्राफ्ट पेपर से खुलासा हुआ है कि फाउंडर आदित पालिचा और कैवल्य वोहरा को अप्रैल में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से समन मिला है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट पेपर में जेप्टो ने बताया कि ईडी ने कंपनी और उसके प्रमोटरों से जुड़ी जानकारी और दस्तावेज मांगे, जिनमें विदेशी निवेश, शेयरहोल्डिंग पैटर्न, फाइनेंशियल स्टेटमेंट, लोन और गारंटी, इनकम टैक्स रिटर्न, बैंक अकाउंट और कंपनी के बिजनेस मॉडल की जानकारी शामिल थी।

दोनों प्रमोटरों को 8 अप्रैल को जारी हुआ समन- फाइलिंग के अनुसार, ईडी ने दोनों प्रमोटरों को 8 अप्रैल को समन जारी किया था। इसमें उन्हें एजेंसी के सामने पेश होने और कंपनी के बिजनेस व उनकी पर्सनल होल्डिंग्स से जुड़ी जानकारी देने के लिए कहा गया था। मांगी गई जानकारी में विदेशी निवेश, वित्त वर्ष 21 से ऑडिटेड फाइनेंशियल स्टेटमेंट, अचल संपत्ति, शेयरहोल्डिंग पैटर्न, लोन और गारंटी, इनकम टैक्स रिटर्न, बैंक अकाउंट और कंपनी के बिजनेस मॉडल पर एक नोट जैसी डिटेल्स शामिल थीं। समन का पालन करते हुए, कैवल्य वोहरा 17 और 22 अप्रैल को ईडी के सामने पेश हुए, जबकि आदित पालिचा 20 अप्रैल और 15 मई को पेश हुए। फाइलिंग में बताया गया है कि संस्थापकों ने ईडी द्वारा मांगी गई जानकारी और डॉक्यूमेंट्स के साथ-साथ एजेंसी के साथ बाद की बातचीत के दौरान मांगी गई अतिरिक्त जानकारी भी उपलब्ध कराई।

इनमें कंपनी के होल्डिंग स्ट्रक्चर, बिजनेस अरेंजमेंट और एग्रीमेंट व इनवॉइस जैसे सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स से जुड़ी जानकारी शामिल थी। कंपनी ने फाइलिंग में कहा, इस अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस-ढ्ढ की तारीख तक, अपना जवाब जमा करने के बाद से हमें ईडी से कोई और सूचना नहीं मिली है।

भाविष्य में नहीं होगी कोई पूछताछ- हालांकि, जेप्टो ने निवेशकों को यह भरोसा नहीं दिलाया कि भविष्य में कोई पूछताछ नहीं होगी या मामला जांच, कानूनी कार्यवाही या संभावित जुर्माने तक नहीं बढ़ेगा।

इस जानकारी को अपडेटेड प्रॉस्पेक्टस के रिस्क फैक्टर्स और प्रमोटर से जुड़े कानूनी मामलों वाले सेक्शन में शामिल किया गया है। सेबी ने मई में जेप्टो के प्रस्तावित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग को मंजूरी दी थी।

पब्लिक इश्यू में लगभग 8,000 करोड़ रुपए का इक्विटी फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल शामिल होने की उम्मीद है।

कंपनी फ्रेश इश्यू से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल अपने डार्क स्टोर नेटवर्क को बढ़ाने, टेक्नोलॉजी और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और अपनी सब्सिडियरी, जेप्टो मार्केटप्लेस प्राइवेट लिमिटेड के जरिए मार्केटिंग और बिजनेस प्रमोशन गतिविधियों को सपोर्ट करने के लिए करने की योजना बना रही है।

महाकाल की नगरी उज्जैन के गौरव, सिंहस्थ की दिव्यता और जनकल्याण के संकल्प के साथ मध्य प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है

दिव्य संवाद/ उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन के गौरव, सिंहस्थ की दिव्यता और जनकल्याण के संकल्प के साथ मध्य प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

जन-जन के लाडले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की उपलब्धियाँ एवं सिंहस्थ-कुंभ के प्रति समर्पण Mohan Yadav के नेतृत्व में मध्य प्रदेश विकास, सुशासन और सांस्कृतिक गौरव के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रदेश के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और धार्मिक पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी है। उनकी कार्यशैली जनसामान्य से जुड़ी हुई है, जिसके कारण वे प्रदेश के लोगों के बीच लोकप्रिय एवं जनप्रिय नेता के रूप में स्थापित हुए हैं। प्रमुख उपलब्धियाँ किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं गरीब वर्ग के उत्थान हेतु जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी संचालन। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में निरंतर सुधार एवं विस्तार।

सड़क, बिजली, पानी तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास को गति। निवेश एवं औद्योगिक विकास को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसरों का सृजन। धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास को प्राथमिकता। मध्य प्रदेश को निवेश, पर्यटन और सांस्कृतिक दृष्टि से अग्रणी राज्य बनाने का प्रयास। महाकाल लोक (महाकाल कॉरिडोर) का भव्य विकास Mahakal Lok का विकास मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने वाला ऐतिहासिक कार्य है। महाकाल लोक के निर्माण एवं विस्तार से उज्जैन की पहचान वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त हुई है। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएँ प्राप्त हुई हैं तथा धार्मिक पर्यटन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला है। महाकाल लोक ने उज्जैन की आध्यात्मिक गरिमा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। भव्य मूर्तिकला, आकर्षक परिसर, आधुनिक सुविधाएँ और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ श्रद्धालुओं को दिव्य अनुभूति प्रदान करती हैं। इसके माध्यम से उज्जैन की सांस्कृतिक एवं आर्थिक गतिविधियों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सिंहस्थ-कुंभ के प्रति समर्पण Simhastha Kumbh Mela भारत की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का विश्वविख्यात पर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी सिंहस्थ-2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विशेष रूप से प्रतिबद्ध हैं। उनके नेतृत्व में उज्जैन में आधारभूत संरचना, सड़क निर्माण, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा, जल प्रबंधन तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखकर व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। उनका उद्देश्य है कि सिंहस्थ-कुंभ केवल धार्मिक आयोजन न रहकर भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का वैश्विक संदेशवाहक बने। महाकाल लोक और सिंहस्थ की तैयारियाँ मिलकर उज्जैन को विश्व की प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक राजधानियों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ÷महाकाल की नगरी उज्जैन के गौरव, सिंहस्थ की दिव्यता और जनकल्याण के संकल्प के साथ मध्य प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।÷ लेखक- अखलेश कुमार श्रीवास्तव भूतपूर्व सदस्य, भारतीय खाद्य निगम (मध्य प्रदेश) अध्यक्ष, सरस्वती शक्ति पीठ शिक्षा समिति उज्जैन (मध्य प्रदेश)।

शहर में स्वच्छता के कार्यो को लेकर आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

देवास। मंगलवार 9 जून को निगम बैठक हॉल में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के संबंध में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ निगमायुक्त दलीप कुमार ने की समीक्षा बैठक। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहयोगी संस्थाओं को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

शहर में शत प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं स्त्रोत पर ही कचरे का पृथक्कीकरण सुनिश्चित किया जाए, देर रात में खुले रहने वाले होटल, रेस्टोरेंट, ठेले वालों से गीला-सूखा कचरा पृथक-पृथक लिया जाए, शहर मे स्थित बैकलेनों का सौदर्यिकरण कर उन्हें कचरा मुक्त किया जाए, कचरा पड़ाव स्थल एवं बर्निंग प्वाइंट की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, रहवासियों को गीला, सूखा एवं अन्य घरेलु हानिकारक कचरा के संबंध मे जागरूकता लाने हेतु कहा, शासकीय, अशासकीय स्कूलों में स्कुल संस्थापकों से समन्वय कर स्वच्छता के संबंध में जागरूकता गतिविधियां चलाऐं, व्यवसायिक क्षेत्रों में अमानक पॉलिथीन सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध हेतु जागरूकता अभियान चलाएं, सिंगल यूज प्लास्टिक व डिस्पोजल बेचने वालों को चिन्हित कर चालानी कार्रवाई करें, स्थानीय एनजीओ और सामाजिक संस्थाओं से स्वच्छता मिशन के संबंध मे जुड़कर जागरूकता अभियान चलायें, आरआरआर सेंटर पर फौकस रखते हुए रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल सेंटर का निरंतर संचालन किया जाए, जन जागरूकता के तहत स्वच्छ वायु पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए घरों की छत पर बागवानी को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाए, नागरिकों को माय देवास एप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया जाए, बैठक में निगम के स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी सौरभ त्रिपाठी, स्वच्छ भारत मिशन से विश्वजीत सिंह, विशाल जोशी, अरुण तोमर, दीपक अग्रवाल सहित नगर निगम सहयोगी संस्था ओम साई विजन एवं फीडबैक फाउंडेशन के टीम लीडर, सुपरवाइजर तथा बड़ी संख्या में वार्डो से स्वच्छता सहयोगी की टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

मानकुंड में आबकारी का बड़ा छापा: 56 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

देवास। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को ग्राम मानकुंड में आबकारी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

आबकारी विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मानकुंड, तहसील हाटपिपल्या स्थित एक मकान में अवैध रूप से शराब का भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही आबकारी टीम मौके पर पहुंची और गवाहों की मौजूदगी में मकान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कमरे से 173 पाव देशी प्लेन मदिरा, 34 कैन बीयर तथा 11 बोतल व्हिस्की बरामद हुई।

जब्त देशी एवं विदेशी मदिरा की कुल मात्रा 56.3 बल्क लीटर पाई गई। अवैध रूप से संग्रहित शराब के संबंध में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर मकान मालिक को गिरफ्तार किया गया। जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 29 हजार 711 रुपये बताया गया है।

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, मुख्य आरक्षक राजाराम रायकवार, आरक्षक अरविंद जिनवाल, निकिता परमार, निहाल खत्री तथा सैनिक किशोर सिसोदिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

नशा मुक्ति : स्वस्थ समाज की ओर एक महत्वपूर्ण कदम

दिव्य संवाद/ उज्जैन। नशा मुक्ति - स्वस्थ समाज की ओर एक महत्वपूर्ण कदम लेखक सिद्धि विनायक शिक्षा प्रसार एवं समाज कल्याण समिति - द्वारा निरुपमा श्रीवास्तव सं नशा आज हमारे समाज की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है।

शराब, तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, ड्रग्स तथा अन्य मादक पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि उसके परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास को भी प्रभावित करता है। नशे की लत व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर देती है और उसे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आर्थिक रूप से कमजोर बना देती है। वर्तमान समय में युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति चिंता का विषय है। कई बार गलत संगति, तनाव, बेरोजगारी, सामाजिक दबाव तथा जिज्ञासा के कारण युवा नशे की ओर आकर्षित हो जाते हैं।

प्रारंभ में यह केवल एक शौक या प्रयोग के रूप में शुरू होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत और फिर लत बन जाती है। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा, रोजगार, पारिवारिक संबंध और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। नशे के कारण अनेक गंभीर बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं। तंबाकू और गुटखे के सेवन से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियाँ हो सकती हैं। शराब का अत्यधिक सेवन यकृत (लीवर) को नुकसान पहुँचाता है तथा मानसिक संतुलन को भी प्रभावित करता है। वहीं मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति को अपराध, हिंसा और असामाजिक गतिविधियों की ओर भी ले जा सकता है। नशा मुक्ति के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। परिवार को बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने चाहिए तथा उनके मित्रों और गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम, संगोष्ठियाँ और रैलियों का आयोजन किया जाना चाहिए।

युवाओं को खेल, योग, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़कर सकारात्मक दिशा प्रदान की जा सकती है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान, परामर्श केंद्रों तथा पुनर्वास केंद्रों का भी व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए। समाज के जागरूक नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं तथा स्वयंसेवी संगठनों को मिलकर नशे के विरुद्ध जनजागरण अभियान चलाना चाहिए। नशे से पीड़ित व्यक्तियों को तिरस्कार नहीं, बल्कि सहयोग, परामर्श और उपचार की आवश्यकता होती है। सरस्वती शक्ति पीठ शिक्षा समिति का मानना है कि नशा मुक्त युवा ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। यदि हम सभी मिलकर नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाएँ और स्वयं भी नशे से दूर रहें, तो एक स्वस्थ, समृद्ध और संस्कारित समाज की स्थापना संभव है। संकल्प- नशा छोड़ें, जीवन जोड़ें। स्वस्थ रहें, परिवार और समाज को खुशहाल बनाएं। - सिद्धि विनायक शिक्षा प्रसार एवं समाज कल्याण समिति - द्वारा निरुपमा श्रीवास्तव संरक्षक।

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

देवास। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में आज विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन बेहद उत्साहपूर्ण, वैचारिक एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। यह कार्यक्रम माननीय फाउंडर चेयरमैन (अमलतास ग्रुप) श्री सुरेश सिंह भदौरिया एवं माननीय चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया के शुभाशीष और कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भावी चिकित्सकों व युवाओं को प्रकृति के प्रति उनके कर्तव्यों, पर्यावरण संतुलन एवं सतत विकास के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अभिजीत तायडे, जनरल मैनेजर श्री मनीष शर्मा एवं प्राचार्या डॉ. अनीता घोडके सहित सभी शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक विचारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और आयुर्वेद व प्रकृति के अटूट संबंध पर प्रकाश डालते हुए सभी को पर्यावरण मित्र जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के विद्यार्थियों ने पर्यावरण की वर्तमान चुनौतियों और उनके समाधान पर अपने प्रभावशाली भाषण और विचार प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित श्रोताओं द्वारा खूब सराहा गया-

24 बैच के विद्यार्थियों ने- ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण के खतरों और उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए।

25 बैच के विद्यार्थियों ने- आयुर्वेद में वर्णित लोक-पुरुष साम्य सिद्धांत, औषधीय पौधों के संरक्षण और हमारी सामाजिक भूमिका पर अपना प्रभावशाली वक्तव्य दिया।

इस संपूर्ण कार्यक्रम का सफल समन्वय डॉ. निवेदिता रावत द्वारा किया गया, जिनके कुशल मार्गदर्शन और प्रबंधन में पूरा कार्यक्रम सुव्यवस्थित व सुचारू रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में डॉ. निवेदिता रावत ने उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

जीर्ण-शीर्ण भवनों के खिलाफ न.पा. की कार्यवाही- नगरपालिका ने तीन जीर्ण शीर्ण भवनों को किया जमींदोज

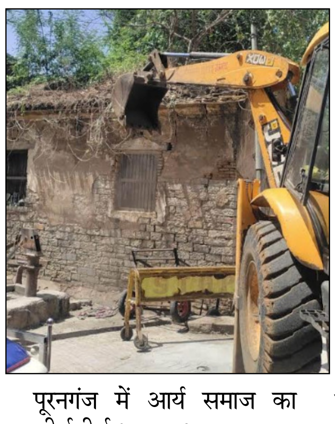

नीमच। शासन के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नगरपालिका परिषद नीमच द्वारा मंगलवार को जीर्णशीर्ण भवनों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करते हुए तीन जीर्णशीर्ण भवनों को जमीदोज किया गया।

सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया ने बताया, कि मंगलवार 9 जून को नगरपालिका की टीम द्वारा जनसुरक्षा के मद्देनजर नीमच सिटी के कालिदास मार्ग (जूना बाजार), पर जीर्णशीर्ण भवन, पूरनगंज में आर्य समाज का जीर्णशीर्ण भवन तथा ठक्कर बप्पा गंज में जीर्णशीर्ण भवन के खतरनाक हिस्से को जेसीबी व अन्य उपकरणों के माध्यम से जमीदोज किया गया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया ने बताया, कि नगरपालिका नीमच द्वारा जीर्णशीर्ण भवनों से संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नीमच शहर में सर्वे करवा कर 12 खतरनाक एवं जीर्णशीर्ण भवनों को चिन्हित कर, भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर संभावित दुर्घटना वाले जीर्णशीर्ण भवन को गिरवाने हेतु सूचित किया गया था।

बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार के लिए शिक्षक सीखी गई बातों का कक्षा में जाकर प्रभावी क्रियान्वयन करें- कलेक्टर

शाजापुर। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के मार्गदर्शन में जिले में प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सुधार तथा निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्रभावी प्राप्ति के उद्देश्य से एक दिवसीय एफएलएन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में विकासखंड शाजापुर एवं मोहन बड़ोदिया के उन विद्यालयों के कक्षा 1 एवं 2 के शिक्षक शामिल हुए, जिनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है। कलेक्टर सुश्री बाफना ने प्रशिक्षण का निरीक्षण करते हुए शिक्षक संदर्शिका के नियमित उपयोग, मासिक ट्रैकर डेटा की शत-प्रतिशत एवं सटीक प्रविष्टि, कमजोर प्रदर्शन वाले विद्यालयों को विशेष अकादमिक सहयोग प्रदान करने तथा भाषा एवं गणित कॉर्नर को सक्रिय बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के दौरान उपयोगी बिंदुओं को नोट करें, अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करें तथा कक्षा में जाकर सीखी गई बातों का प्रभावी क्रियान्वयन करें, जिससे बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार हो सके।

दिवस के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए ऑनलाइन योग सत्र में जुड़ें

नीमच। भारत सरकार, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के तहत समग्र स्वास्थ्य, कल्याण और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रव्यापी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रयास- आयुष मंत्रालय द्वारा के सहयोग से 14 जून 2026 को प्रातः 6-15 बजे से 7-35 बजे तक एक ऐतिहासिक ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आयुष मंत्रालय के YouTube Platform के माध्यम से एक साथ अधिकतम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना है। पंजीकरण प्रक्रिया- इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को टोल-फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद प्रतिभागियों को सत्र का लिंक वाला WhatsApp message प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण निर्देश- गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रयास वाले दिन प्रत्येक प्रतिभागी को अपने-अपने डिवाइस से व्यक्तिगत रूप से लॉग-इन करना होगा, क्योंकि सत्र में शामिल होने वाले प्रत्येक registered डिवाइस को आधिकारिक रिकॉर्ड में गिना जाएगा। एक डिवाइस पर समूह में योग करने से केवल एक ही गिनती होगी।

अपील- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सभी जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारियों, संबद्ध संस्थानों, संगठनों, योग अभ्यासकर्ताओं और आम जनता से अपील की है कि वे अपने-अपने व्यक्तिगत उपकरणों-मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट के माध्यम से अलग-अलग जुड़कर इस ऐतिहासिक पहल में सक्रिय भागीदारी करें और जिले से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित कराएं।

हर मंगलवार, लोगों की आवाज़ सुनने खुद बैठती हैं एसडीएम प्रीति संघवी

नीमच। आमजन की छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान अब उनके द्वार पर हो रहा है। नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर जावद में हर मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई ने लोगों को बड़ी राहत दी है। इस जनसुनवाई की कमान संभाल रहीं एसडीएम प्रीति संघवी खुद फरियादियों से मिलकर उनकी बात सुन रही हैं और मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दे रही हैं।

प्रशासन का बदला अंदाज़ - पहले जहां शिकायत लेकर लोग दफ्तरों के चक्कर काटते थे, अब जावद में हर मंगलवार को एसडीएम का दरबार लगता है। जमीन विवाद, पेंशन, राशन, बिजली-पानी और अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी शिकायतें सीधे एसडीएम के सामने रखी जाती हैं। सबसे बड़ी बात ये कि समस्याओं को सुनकर टालने की बजाय उसी समय निपटारे की कोशिश होती है।

एसडीएम प्रीति संघवी की संवेदनशील और तत्पर कार्यशैली आमजन के बीच चर्चा का विषय बन गई है। उनकी पहल से न सिर्फ शिकायतों का त्वरित निपटारा हो रहा है, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच भरोसे का पुल भी मजबूत हो रहा है।

पौधे पचास नहीं पांच लगाओ, लेकिन उनको पल्लवित करने की जिम्मेदारी उठाओ

मंदसौर। नेशनल मीडिया फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में 55वां राज्य स्तरीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह का आयोजन मध्यप्रदेश के ग्वालियर में चैंबर आफ कॉमर्स सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेशभर के 250 से अधिक पर्यावरणविद, समाजसेवी,एवं पत्रकारों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह ग्वालियर की पूर्व महापौर एवं मध्यप्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष समीक्षा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता नेशनल मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने की। विशेष अतिथि के रूप में देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले श्री तात्या टोपे के वंशज सुभाष टोपे, नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन महासचिव आरबी सिंह, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र सिंह जयपुर मंचासीन थे। समारोह की मुख्य अतिथि समीक्षा गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सबका दायित्व है। आजकल देखने में आता है कि एक पौधा रोपा जाता है और उस पौधे को रोपने में 20 हाथ नजर आते हैं लेकिन उसकी सुरक्षा के लिए ,उसे पल्लवित करने के लिए कोई हाथ सामने नहीं आता है। आपने कहा कि पौधे 50 नहीं पांच लगाओ लेकिन उसकी सुरक्षा जरूर करो। पौधे लगाने वाले अपना दायित्व समझते हुए 5 वर्ष तक पौधे की देखरेख करेगे तो निश्चित रूप से वह पौधा बड़ा होकर वटवृक्ष बन जाएगा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में नेशनल मीडिया फाउंडेशन द्वारा पूरे देश में पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पर्यावरणविद, समाजसेवी एवं पत्रकारों का सम्मान करने का जो बीड़ा उठा रखा है वास्तव में वह प्रशंसनीय है। जब एक व्यक्ति का मंच के माध्यम से सम्मान होता है तो हजारों लोगों को प्रेरणा मिलती है नेशनल मीडिया फाउंडेशन आमजन को पर्यावरण के लिए प्रेरणा देने का कार्य मध्य प्रदेश में कर रहा है। ऐसे संगठनों से अन्य संगठन को भी प्ररणा लेना चाहिए। समारोह की अध्यक्षता करते हुए नेशनल मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर लगातार 55 वर्षों से मध्यप्रदेश में सेमिनार एवं सम्मान करने वाला एकमात्र संगठन नेशनल मीडिया फाउंडेशन है। संगठन के माध्यम से पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए ही मध्य प्रदेश स्तर का सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है जिससे प्रदेश में अच्छे कार्य करने वालों को प्रेरणा मिलती है। श्री जैन ने कहा कि देश का एकमात्र ऐसा संगठन नेशनल मीडिया फाउंडेशन है जो पत्रकारों के हितों के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है पत्रकार सुरक्षा कानून बनाए जाने के लिए भी संपूर्ण भारत में प्रयासरत हैं। समय-समय पर नेशनल मीडिया फाउंडेशन के माध्यम से अनेक आयोजन किए जाते हैं लेकिन वर्ष भर में दो बड़े आयोजन प्रतिवर्ष किए जाते है 29 जनवरी को पत्रकारिता दिवस देश के किसी भी स्थान पर राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है और 5 जून पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में मध्य प्रदेश में बड़े स्तर का आयोजन किया जाता है जिसमें पर्यावरण, समाजसेवा एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान किया जाता है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)